● वर्ष-3
● अंक-200
रायपुर, बुधवार
03 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› मटके का पानी पीते समय भूलकर...

सुरक्षाकर्मियों से मुठभेड़, 11 नक्सली ढेर; हथियारों का जखीरा बरामद

बीजापुर/रायपुर। बीजापुर में मंगलवार की सुबह सुरक्षा बल के जवानों को बड़ी कामयाबी मिली। गंगालूर इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में जवानों ने अब तक 11 नक्सलियों को मार गिराया है। वहीं घटना स्थल से एलएमजी, लांचर और भारी मात्रा में नक्सलियों का सामान बरामद हुआ है। मौके से कई अत्याधुनिक हथियार भी बरामद किये गये हैं। नक्सलियों के शव लाने के लिए फोर्स की दो टीम घटना स्थल की ओर रवाना की गई है। नक्सल एरिया होने की वजह

से फोर्स सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। शव लाने के बाद ही पुलिस सभी 11 नक्सलियों का शिनाख्त करने के बाद ही खुलासा करेगी।

पुलिस ने बताया कि सोमवार की रात डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा व सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी सर्च अभियान के लिए गंगालूर इलाके में रवाना हुई थी। अभियान के दौरान मंगलवार की सुबह 6 बजे के करीब गंगालूर थाना क्षेत्र के लेंड्रा के जंगल में पुलिस की नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई। शुरूआत में इस मुठभेड़ के दौरान पुलिस जवानों ने चार नक्सलियों को मार गिराया। मौके से जवानों ने नक्सलियों के शव सहित एक एलएमजी, आटोमेटिक हथियार, बीजीएल लांचर व भारी मात्रा में हथियार तथा गोला बारूद दैनिक उपयोग की सामग्री जब्त की। पुलिस ने दावा किया है कि मुठभेड़ में कई नक्सली घायल भी हुए हैं। इलाके में सर्चिंग अभियान जारी है। शाम तक मरने वाले नक्सलियों की संख्या 11 पहुंच गई है। इस मुठभेड़ को 3 अप्रैल 2021 की घटना से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें कोबरा 210 बटालियन और जिला पुलिस बल के 22 जवान शहीद हुए थे। सुकमा के टेकलगुड़ा गांव में नक्सलियों ने घेरकर फायरिंग की थी। फोर्स ने इसी घटना का मंगलवार को बदला लिया है।

प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से एक जवान घायल- छत्तीसगढ़ में नक्सली अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। बीजापुर में मंगलवार को प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से एक जवान जख्मी हो गया है। बताया जाता है कि एंटी नक्सल ऑपरेशन से लौटते वक्त ये ब्लास्ट हुआ। जवान मुदवेंडी कैंप से एंटी नक्सल ऑपरेशन पर निकले थे। विस्फोट की चपेट में आये कोबरा 202 बटालियन के जवान के पैर में गंभीर चोट आई है। घायल जवान को एयर लिफ्ट कर बेहतर इलाज के लिए रायपुर भेजे जाने की तैयारी चल रही है। मामला गंगालूर थाने क्षेत्र का है। उक्त आशय की जानकारी बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने दी है।

महादेव एप, कोयला और शराब घोटाला

जेल में बंद आरोपियों से चार दिनों तक पूछताछ

रायपुर. छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित महादेव ऑनलाइन बैटिंग बुक, कोल लेवी और शराब घोटाले के मामले में जेल में बंद आरोपियों से एंटी करप्शन ब्यूरो की पूछताछ समाप्त हो गई है. यह टीम पिछले चार दिनों से सेंट्रल जेल में लगातार आरोपियों से पूछताछ कर रही थी. इन हाईप्रोफ़ाइल घोटालों से जुड़े लोगों से पूछताछ के बाद अधिकारी अलग-अलग कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सूत्रों से मिली जानकरी के मुताबिक, जेल में बंद कुछ आरोपियों ने एसीबी/ईओडब्लू की टीम का पूछताछ में जरा भी सहयोग नहीं किया है. इसके बाद अब आरोपियों की रिमांड की तैयारी भी की जा रही है.

कांग्रेस पार्टी का आगामी लोकसभा चुनाव में सूपड़ा साफ होने वाला है: साय

भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन, मुख्यमंत्री साय, उपमुख्यमंत्री साव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की मौजूदगी में कांकेर प्रत्याशी भोजराज नाग ने भरा नामांकन

रायपुर/कांकेर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं चुनाव प्रभारी नितिन नबीन, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की मौजूदगी में कांकेर प्रत्याशी भोजराज नाग ने आज कांकेर में नामांकन भरा। इस दौरान नामांकन रैली की सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि यह लोकसभा का चुनाव हमारे देश के लिए सबसे बड़ा चुनाव है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चुनाव है। प्रधानमंत्री मोदी 10 वर्षों से प्रधानमंत्री के रूप में सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास को मूल मंत्र मानकर देश के गांव, गरीब, किसान, मजदूर सबके लिए काम कर रहे हैं। श्री साय ने मंगलवार को काँकेर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग के नामांकन दाखिले के मद्देनजर भाजपा द्वारा आयोजित महती रैली को संबोधित कर अपील की कि

मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनें, इसके लिए काँकेर से नाग को सांसद बनाकर संसद भेजना है।

मुख्यमंत्री साय ने कांग्रेस व उसकी पिछली भूपेश सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि प्रदेश की जनता ने कांग्रेस को सत्ता सौंपी लेकिन कांग्रेस ने उस जनादेश का सम्मान नहीं किया और पिछले 5 वर्षों में छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार और लूट मचाई। भ्रष्टाचार करने वाले कांग्रेस के सभी नेता आज जेल में है और कई नेता बेल पर हैं। प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने प्रदेश के युवाओं के साथ छल करते हुए उन्हें महादेव एप जैसे सट्टे में फँसाकर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को सबक सिखाना है और भाजपा प्रत्याशी को अधिक मतों से जिताकर संसद भेजना है। श्री साय ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने के बाद भाजपा ने मोदी की गारंटी में की गई घोषणाओं को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। प्रधानमंत्री आवास के तहत प्रदेश के 18 लाख लोगों को आवास देने स्वीकृति अपनी पहली ही कैबिनेट की बैठक में दी गई। प्रदेश के 12 लाख किसानों के खाते में 2 साल के धान का बकाया बोनस 3,716 करोड रुपए का का भुगतान कर दिया गया है। भाजपा जो कहती है उसे करती है। प्रदेश में इस वर्ष रिकॉर्ड 145 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी 31 सौ रु. प्रति क्विंटल की दर से की गई है। प्रदेश के किसानों को अंतर की राशि एकमुश्त भेज दी गई है। महतारी वंदन योजना के तहत सभी विवाहित महिलाओं को ?1000 प्रति माह देने की शुरुआत 10 मार्च को कर दी गई है। अब महतारी वंदन योजना की राशि प्रतिमाह एक तारीख से 7 तारीख के बीच में भेज दी जाएगी। भाजपा की प्रदेश सरकार जिस प्रकार से तेजी से कार्य कर रही है उससे कांग्रेस पार्टी का आगामी लोकसभा चुनाव में सूपड़ा साफ होने वाला है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला, युवा, किसान, मजदूर सभी के लिए जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित की हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने भारत का नाम दुनिया में रोशन किया है, भारत का मान सम्मान बढ़ाया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी सभी लोगों तक शत प्रतिशत पहुँचाई जाएगी। श्री देव ने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार ने मोदी की गारंटी में किए गए अधिकांश वादे अपने तीन माह के कार्यकाल में पूरा करके दिखाया है। प्रदेश के किसानों से रु. 3100 में धान की खरीदी की गई।

अपने स्वार्थ के लिए चुनाव लड़ रहे इंडी गठबंधन के नेता: मोदी

देश को धमकी दे रहे कांग्रेस के नेता: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसके नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा चुनाव जीतने पर आगजनी की धमकी दे रहे हैं। मोदी ने राजस्थान के कोटपूतली में एक रैली में कहा कि यह चुनाव आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने के लिए है। मोदी कहते हैं भ्रष्टाचार हटाओ। कांग्रेस और इडी गठबंधन यह चुनाव देश के लिए नहीं बल्कि अपने स्वार्थ के लिए लड़ रहे हैं...वे कहते हैं भ्रष्टाचारियों को बचाओ, मोदी कहते हैं भ्रष्टाचार हटाओ। अपना वार जारी रखते हुए मोदी ने कहा कि यह पहला चुनाव है जिसमें कांग्रेस पार्टी के नेता खुद चुनाव जीतने की बात नहीं कर रहे बल्कि देश को धमकी दे रहे हैं कि अगर बीजेपी जीती तो देश में आग लग जाएगी।

मोदी ने कहा कि 2024 के इस चुनाव में देश की सियासत फिर 2 खेमों में बंटी नजर आ रही है। एक तरफ राष्ट्र प्रथम का संकल्प लेकर चलने वाली भाजपा है, तो दूसरी तरफ देश को लूटने के मौके तलाशने वाली कांग्रेस पार्टी है। उन्होंने कहा कि आज एक ओर देश को परिवार मानने वाली भाजपा है, तो दूसरी ओर अपने परिवार को देश से बड़ा मानने वाली कांग्रेस है। उन्होंने कहा कि आज एक ओर दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाने वाली भाजपा है, तो दूसरी ओर विदेश में जाकर भारत को गाली देने वाली कांग्रेस है। ऐसी देशविरोधी, परिवारवादी ताकतों के खिलाफ राजस्थान हमेशा खड़ा रहा है। 2014 में राजस्थान ने भाजपा को 25 की 25 सीटें दी थी। राजस्थान ने 2019 में भी एनडीए को 25 की 25 सीटें दी थी। अब 2024 में भी राजस्थान 25 की 25 सीटें देने का फैसला कर चुका है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2024 का ये चुनाव कोई सामान्य चुनाव नहीं है। ये चुनाव, विकसित राजस्थान और विकसित भारत के संकल्प का चुनाव है। पूरा राजस्थान कह रहा है 4 जून - 400 पार! उन्होंने कहा कि ये चुनाव - भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए है। भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए है। आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने के लिए है। किसानों की समृद्धि के संकल्प का चुनाव है। घर-घर नल से जल पहुंचाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसका इंडी गठबंधन, देश के लिए नहीं बल्कि अपने स्वार्थ के लिए चुनाव लड़ रहा है। ये पहला ऐसा चुनाव है, जिसमें परिवारवादी पार्टियां अपने परिवार को बचाने के लिए रैली कर रही हैं। ये पहला ऐसा चुनाव है, जिसमें सारे भ्रष्टाचारी मिलकर भ्रष्टाचार पर कार्रवाई रोकने के लिए रैली कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये पहला ऐसा चुनाव है, जिसमें कांग्रेस के बड़े नेता खुद के चुनाव जीतने की बात पर मौन हैं। लेकिन वो देश को धमकी दे रहे हैं कि अगर भाजपा जीती तो देश में आग लग जाएगी।

प्रमुख समाचार

हाईकोर्ट का फैसला: बीएड उम्मीदवारों की नियुक्ति निरस्त

बिलासपुर/रायपुर। बीएड डिग्रीधारी टीचर भर्ती के उम्मीदवारों को हाईकोर्ट का बड़ा झटका लगा है. हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में असिस्टेंट टीचर भर्ती प्रक्रिया में बीएड उम्मीदवारों की नियुक्ति को निरस्त करने का आदेश दिया है. साथ ही राज्य सरकार को छह सप्ताह के भीतर पुनरीक्षित चयन सूची जारी कर डीएलएड उम्मीदवारों को मौका देने के लिए कहा है. इस आदेश के बाद अब असिस्टेंट टीचर की भर्ती में बीएड पास उम्मीदवारों की दावेदारी खत्म हो गई है. बता दें कि चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की डिवीजन बेंच ने इस केस में 29 फरवरी को फैसला सुरक्षित रखा था, जिस पर अब आदेश जारी किया गया है. हाईकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि प्राथमिक शिक्षकों के लिए केवल डीएड पास अभ्यर्थी ही मान्य होंगे. कोर्ट ने ये भी निर्देश दिया है कि वैसे बीएड उत्तीर्ण सहायक शिक्षक, जिनकी ज्वाइनिंग हो चुकी है, उनकी नियुक्ति निरस्त करते हुए 6 सप्ताह में केवल डीएलएड पास अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जाए. कोर्ट ने डीएलएड अभ्यर्थियों को शामिल कर पुनरीक्षित चयन सूची बनाने के निर्देश दिए हैं.

वीवीपीएटी पर चुनाव आयोग को नोटिस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चुनावों में सभी वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पर्चियों की गिनती की मांग करने वाली याचिका पर भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को सुप्रीम कोर्ट के नोटिस की सराहना करते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण पहला कदम था। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि वीवीपीएटी के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने आज चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल से मिलने से इंकार कर दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारी मांग थी कि ईवीएम में जनता का विश्वास बढ़ाने और चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए वीवीपीएटी पर्चियों के 100% मिलान किए जाएं। इस संबंध में यह नोटिस पहला और काफ़ी महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन इसकी सार्थकता के लिए, चुनाव शुरू होने से पहले ही मामले पर निर्णय लिया जाना चाहिए। वीवीपीएटी एक स्वतंत्र वोट सत्यापन प्रणाली है जो मतदाता को यह देखने की अनुमति देती है कि उसका मत सही डाला गया है या नहीं। सिस्टम एक पेपर स्लिप उत्पन्न करता है जिसे मतदाता देख सकता है और पेपर स्लिप को एक सीलबंद कवर में रखा जाता है.

मनमोहन सिंह समेत 54 सांसद हो रहे रिटायर

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की तारीखों के एलान के बाद से ही राजनीतिक दल निर्वाचन क्षेत्रों में ताबड़तोड़ रैली कर रही है। इस बीच, संसद के उच्च सदन राज्यसभा से कई सदस्य सेवानिवृत्त होने वाले हैं, जिनमें से कुछ दोबारा इस सदन में नहीं लौटेंगे। मंगलवार को 49 राज्यसभा के सदस्य सेवानिवृत्त हुए हैं। राज्यसभा से 3 अप्रैल को रिटायर होने वाले सांसदों में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह भी शामिल हैं। गौरतलब है कि उन्हें अर्थव्यवस्था में कई सुधारों की शुरुआत करने के लिए जाने जाते हैं। अक्तूबर 1991 में पहली बार राज्यसभा के सदस्य बने थे। वह 1991 से 1996 तक नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री और 2004 से 2014 तक देश के प्रधानमंत्री भी रहे थे। वहीं सात केंद्रीय मंत्री जो राज्यसभा से मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गए हैं, उनमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया, पशुपालन और मत्स्य पालन मंत्री पुरषोत्तम रूपाला, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री राजीव चंद्रशेखर, विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे और सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन हैं। वहीं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का कार्यकाल बुधवार को समाप्त हो जाएगा।

विपक्षी गठबंधन को हाई कोर्ट ने दी 7 दिनों की आखिरी मोहलत

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने विपक्षी दलों के गठबंधन को आखिरी मौका देते हुए सात दिनों के अंदर उस जनहित याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है, जिसमें विपक्षी गठबंधन द्वारा 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) उपनाम का उपयोग करने से रोकने की मांग की गई है। जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि अलायंस का संक्षिप्त नाम 'इंडिया' का उपयोग करके राजनीतिक पार्टियां हमारे देश के नाम पर अनुचित लाभ ले रही हैं। हाई कोर्ट के ऐक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने मंगलवार को कहा कि जनहित याचिका पर एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल किया जाए। मामले की अगली सुनवाई अब 10 अप्रैल को होगी। हाई कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार को भी नोटिस जारी किया है। यह जनहित याचिका गिरीश भारद्वाज ने दायर की है। भारद्वाज ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए अगस्त 2023 में ही कहा था कि विपक्षी दलों के गठबंधन को 'इंडिया' संक्षिप्त नाम का इस्तेमाल करने से रोका जाय लेकिन इस मामले में कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी।

बाबा रामदेव और बालकृष्ण अदालत में फिर होंगे पेश

नई दिल्ली। पतंजलि आयुर्वेद की ओर से भ्रामक विज्ञापन और एलोपैथी चिकित्सा को निशाने पर लेने के मामले में आज योग गुरु रामदेव खुद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। उनके साथ पतंजलि के एमडी आचार्य बालकृष्ण भी अदालत में दिखे। इस दौरान रामदेव ने वकील के माध्यम से कहा कि हम निजी तौर पर अदालत में हैं और माफी मांगते हैं, जिसे रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए। इस पर अदालत ने कहा कि आपको पहले ही चेतावनी दी गई थी और आपने एफिडेविट भी दाखिल किया था। फिर क्यों इस तरह की गलती हुई। यह पूरी तरह से अवमानना है। केवल उच्चतम न्यायालय ही नहीं बल्कि देश भर की सभी अदालतों द्वारा पारित हर आदेश का सम्मान किया जाना चाहिए। अदालत ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को निजी तौर पर फिर से अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। अब दोनों को 10 अप्रैल को फिर कोर्ट में हाजिर रहना होगा। इसी दिन पतंजलि और योग गुरु रामदेव को हलफनामा भी दाखिल करना होगा। अदालत ने कहा कि हम आपको आखिरी मौका देते हैं और जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का वक्त है।

लोकसभा चुनाव 2024

सियासी रण में भाजपा ने झोंकी पूरी ताकत

पी. चिदंबरम

चेतावनी के संकेत बिल्कुल साफ थे। विपक्षी दल भी यह भांप रहे थे कि क्या होने वाला है, लेकिन लगता है कि धोखेबाज सलाहकारों ने अपने नेताओं को रोक रखा है। तमिलनाडु को छोड़कर कहीं भी युद्ध के लिए तैयार सैनिकों को युद्ध के मैदान पर नहीं भेजा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन जम नहीं पाया, बिहार में नीतीश कुमार की पेटेंट पाला बदलने की कलाबाजी ने इंडिया गठबंधन की तैयारियों को मैदान से उतारने की कोशिश जरूर की थी, लेकिन वे नाकामयाब रहे। महाराष्ट्र में सहयोगी दल सीटों के बंटवारे पर बहस कर रहे हैं। दूसरी ओर, भाजपा विपक्षी खेमें में नेताओं की खरीद-फरोख्त में व्यस्त है। उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस एकजुट जरूर हैं, लेकिन अब तक युद्ध के मैदान में उतरे नहीं हैं। वहीं, दिल्ली और झारखंड में सेनाएं तैयार हैं, लेकिन, जनरल सलाखों के पीछे कैद हैं। तमिलनाडु एकमात्र राज्य है, जहां इंडिया गठबंधन और विरोधी दलों के बीच युद्ध शुरू हो चुका है, जो उस कहावत की याद दिला रहा है कि, %अच्छी शुरुआत का मतलब है कि आधी लड़ाई जीत लेना।% यह तो हुई 29 में से सात राज्यों की बात। बाकी बचे कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई है। दूसरी ओर, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य किसी पहले से लिखे जा चुके नाटक के मंच की तरह दिख रहे हैं, वास्तविक युद्ध के मैदान की तरह नहीं।

भाजपा ने अपना पूरा शस्त्रागार खोल दिया है। असंवैधानिक चुनावी बॉन्ड के जरिये एकत्रित किया गया अकूत पैसा पहले ही उसके पास है। इन इलेक्ट्रॉनिक बॉन्ड की सच्चाई, जिसे मैंने वैध रिश्वतखोरी का नाम दिया था, अब सबके सामने आ चुकी है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां तलाशी/गिरफ्तारी हुई, बॉन्ड खरीदे और दान किए गए, बॉन्ड भुनाए गए और या तो मामलों को रफा-दफा कर दिया गया या फिर लाइसेंस या कॉन्ट्रैक्ट के रूप में अनुचित फायदा पहुंचाया गया। तारीखें कहानी बयां करती हैं। बिंदुओं को जोड़ने पर पूरी रेखा साफ दिखने लगती है। अखबारों, टेलीविजन और बिल बोर्डों पर विज्ञापनों के जरिये युद्ध के लिए संसाधनों का विकास किया गया। भाजपा एक असमान मैदान पर खेल रही है। अब ऑपरेशन कमल की बारी है, जो भाजपा की खास कवायद है। दल-बदल को प्रोत्साहित करना और दलबदलुओं को टिकट देना इसके आधार हैं। मुझे बताया गया कि भाजपा चार सौ से ज्यादा उम्मीदवारों को नामांकित करेगी, जिसमें से पचास के करीब दलबदलू होंगे।

वर्तमानमें संसद के दोनों सदनों में भाजपा के 383 सांसद, 1481 विधायक और 163 विधाने परिषद के सदस्य हैं। इनमें पूर्व गैर-भाजपाई नेता भी शामिल हैं, जो विशाल लॉन्ड्री मशीन में धुल कर बेदाग हो चुके हैं। मुझे नहीं पता कि इन 2027 व्यक्तियों में किसी के भी खिलाफ कोई जांच चल रही है या नहीं और यदि चल रही है, तो वह निश्चित ही अपवाद होने के साथ ही अच्छी तरह से संरक्षित रहस्य भी होगा।

अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों के आदेशों का पालन न करने के आदेश दिए जाने से दिल्ली की सरकार को पंगु बना दिया गया। केरल और पश्चिम बंगाल जैसी राज्य सरकारों को किसी न किसी बहाने से धनराशि रोक दी गई है। किसी न किसी शर्त का उल्लंघन का हवाला देते हुए गैर-भाजपा शासित राज्यों की उधार लेने की सीमा में कटौती की गई है।

अस्पष्ट आधारों पर तमिलनाडु को आपदा राहत सहायता देने से इन्कार कर दिया गया है। केंद्र सरकार का कहना है कि राज्य के पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति में संघ लोक सेवा आयोग की भूमिका होनी चाहिए। राज्य द्वारा वित्त पोषित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति के राज्य सरकार के अधिकारों पर अंकुश लगाया गया है। नतीजा यह है कि केंद्र सरकार के प्रति निष्ठा रखने वाले सत्ता केंद्र राज्यों में उभरे हैं और राज्य सरकारों के अधिकारों को चुनौती दे रहे हैं। राज्यों की स्वायत्तता का लगातार क्षरण हो रहा है।

दरअसल आरएसएस-भाजपा एक एजेंडे से प्रेरित हैं। आरएसएस के नेताओं का मानना है कि उन्होंने एक लंबे समय तक इंतजार किया है और लोकसभा चुनाव में जीत उनके एजेंडे को पूरा करने के लिए लॉन्च पैड होनी चाहिए। एजेंडे में शामिल हैं- एक राष्ट्र एक चुनाव, समान नागरिक संहिता (यूसीसी), नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), भूमि अधिग्रहण अधिनियम में संशोधन, कृषि कानून और पूजा स्थल अधिनियम को निरस्त करना। भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र में कुछ और खुलासे भी हो सकते हैं। लेकिन तय है कि यह अंतिम हमला होगा।

जवानों ने मुठभेड़ में नौ नक्सली को किया ढेर

■ हथियारों का जखीरा बरामद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में मंगलवार की सुबह सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी कामयाबी मिली। गंगालूर इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में जवानों ने अब तक नौ नक्सलियों को मार गिराया है। वहीं घटना स्थल से एलएमजी, लांचर और भारी मात्रा में नक्सलियों का सामान बरामद हुआ है। खबर है कि मौके से कई अत्याधुनिक हथियार बरामद हुए हैं।

पुलिस ने बताया कि सोमवार की रात डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा व सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी सर्च अभियान के लिए गंगालूर इलाके में रवाना हुई थी। अभियान के दौरान मंगलवार की सुबह 6 बजे के करीब गंगालूर थाना क्षेत्र के लेंड्रा के जंगल में पुलिस की नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई।

शुरूआत में इस मुठभेड़ के दौरान पुलिस जवानों ने चार नक्सलियों को मार गिराया। मौके से जवानों ने नक्सलियों के शव सहित एक एलएमजी, आटोमेटिक हथियार, बीजीएल लांचर व भारी मात्रा में हथियार तथा गोला बारूद दैनिक उपयोग की सामग्री जब्त की। पुलिस ने दावा किया है कि मुठभेड़ में कई नक्सली घायल भी हुए हैं। इलाके में सर्चिंग अभियान जारी है। दोपहर तक मरने वाले नक्सलियों की संख्या नौ पहुंच गई है।

दंतेवाड़ा में 2 नक्सलियों ने किया सरेंडर लोन वर्राटू अभियान से थे प्रभावित

दंतेवाड़ा। नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा में संचालित

लोन वर्राटू अभियान (घर वापस आईये अभियान) से प्रभावित दो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। डीआरजी कार्यालय दंतेवाड़ा पहुंचकर दोनों नक्सलियों ने दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय के समक्ष सरेंडर किया है। दंतेवाड़ा एसपी ने समर्पित दोनों नक्सलियों को छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास योजना के तहत प्रोत्साहन राशि और योजना का लाभ दिए जाने की बात कही है।

दोनों नक्सली मलांगेर एरिया कमेटी के सदस्य = छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति और लोन वर्राटू अभियान (घर वापस आईये अभियान) से प्रभावित थे। नक्सलियों के भेदभाव और स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा से तंग आकर मंगलवार को दोनों नक्सलियों ने मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला किया। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में मलांगेर एरिया कमेटी के प्रतिबंधित नक्सली संगठन में नीलावाया पंचायत मिलिशिया सदस्य गंगा मड़काम निवासी सुकमा और नीलावाया पंचायत सीएनएम सदस्य आयतु मड़काम निवासी दंतेवाड़ा हैं। दोनों ने दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय के समक्ष डीआरजी कार्यालय दंतेवाडा में आत्मसमर्पण किया है।

एसपी गौरव राय ने कहा आत्मसमर्पित दोनों नक्सलियों को छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास योजना के तहत 25-25 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि और मिलने वाले सभी प्रकार का लाभ प्रदाय कराया जायेगा।

दरअसल, जिले में दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 174 ईनामी नक्सली सहित कुल 688 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। सरेंडर करने को बाद ये सभी अब समाज के मुख्यधारा से जुड़कर रह रहे हैं।

रिकार्ड 172 मिलियन टन लोडिंग कर रेलवे के सभी मंडलों में दपूमरे दूसरे स्थान पर

मंडल द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में लक्ष्य से अधिक लोडिंग

बिलासपुर। बिलासपुर मण्डल अपने समर्पित रेलकर्मियों के सम्मिलित, सतत् एवं अनुशासित प्रयास से विपरीत परिस्थितियों में भी डटकर काम करते हुए वित्तीय वर्ष 2023-24 के लदान लक्ष्य को पार करते हुये अब तक सर्वाधिक 172 मिलियन टन माल ढुलाई के मील के पत्थर को हासिल किया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में दिये गए लदान लक्ष्य 169.5 मिलियन टन को मण्डल द्वारा 30 मार्च 2024 को ही हासिल कर लिया गया था । मंडल द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान रिकार्ड 172 मिलियन टन माल ढुलाई कर अब तक का सर्वाधिक लोडिंग करने की नई उपलब्धि हासिल की गई। इसके पूर्व वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 159.54 मिलियन टन लोडिंग की गई थी।

रेलवे द्वारा माल ढुलाई को आकर्षक बनाने के लिए कई तरह की रियायतें/छूट भी अपने उपभोक्ताओं को दी गई, साथ ही माल परिवहन से संबंधित उपभोक्ताओं के समस्याओं

का त्वरित निदान भी किया गया। लोड किए गए वस्तुओं में कोयला, क्लिंकर, लौह अयस्क, सीमेंट, स्टील, खाद्यान रासायनिक खाद, खनिज, तेल आदि है। यह उपलब्धि मंडल रेल प्रबंधक श्री प्रवीण पाण्डेय के निर्देशन एवं अन्य शाखाधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन से मिली। इस उपलब्धि अवसर पर नियंत्रण कक्ष में मण्डल रेल प्रबन्धक श्री प्रवीण पाण्डेय, उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा केक काटकर प्रसन्नता व्यक्त की गई । मण्डल रेल प्रबन्धक श्री प्रवीण पाण्डेय द्वारा अपने सभी कर्मचारियो एवं अधिकारियों को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएँ दी गई एवं बेहतर कार्य के लिए प्रोत्साहित किया। मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि इस उपलब्धि के असली कर्मयोगी रेल कर्मचारी हैं, जो दूरस्थ कोयला के खदान क्षेत्रों में पदस्थापित हैं और अपने पारिवारिक जीवन को छोडकर कर्म के मार्ग पर चलते हुये लदान लक्ष्य को पाने के लिए दिन-रात काम करते हैं। सभी ने गर्व से इस अवसर पर उल्लास प्रकट किया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भाटापारा जिले के बच्चों का हुआ चयन

भाटापारा। बलौदाबाजार भाटापारा जिला कराते संघ के तत्वाधान में छह और सात अप्रैल को दुर्ग में होने वाले राज्यस्तरीय कराते प्रतियोगिता के लिए शासकीय गजानंद अग्रवाल स्नाकोत्तर महाविद्यालय के क्रीड़ा भवन में जिला स्तर पर चयन किया गया। जिसमें बलौदाबाजार जिले के पांच विकासखंड (भाटापारा, सिमगा, बलौदाबाजार, पलारी, कसडोल) से लगभग 320 बालक-बालिकाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

उक्त प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी दुर्ग में होने वाले राज्यस्तरीय कराते प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता के दौरान देवरी के सिलंबम और अर्जुनी के ताइक्वांडो के खिलाड़ियों द्वारा डेमो का प्रदर्शन किया गया। जिसको कार्यक्रम में उपस्थित अतिहतिगण द्वारा सराहना प्राप्त हुई।

कार्यक्रम का आयोजन जिला करते संघ बलौदा बाजार भाटापारा जिला सचिव ऋषभ सिंह चैहान द्वारा पूर्ण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला क्रीड़ा अधिकारी आलोक गुप्ता विसिस्थ अतिथि में भाटापारा सहर थाना प्रभारी योगिता खारपरे, संयोजक अरूण छाबड़ा, बलौदा बाजार नोडल अधिकारी शरद पंसारी, बलोदाबाजार क्रीड़ा शिक्षक यास्मीन एफिरोज, जिला कराटे संघ सचिव ऋषभ सिंह चैहान, जिला ताइक्वांडो संघ सचिव दिनेश साहू मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाटापारा बलौदा बाजार जिला करते संघ एवम चैंपियन मार्शल आर्ट एकेडमी बलौदा बाजार भाटापारा जिला ताइक्वांडो संघ बलोदा बाजार भाटापारा के सदस्यों और प्रसीक्षकों का विशेष योगदान रहा। जिसमें चैंपियन मार्शल आर्ट्स अकादमी सचिव नेमीचंद साहू, कोषाध्यक्ष योगेश करे, प्रबंधक विक्रम सिंह चैहान, सह सचिव महेश राजपूत, सह सचिव हर्ष देवांगन, सह सचिव धनंजय पांडेय, विपन साहू, शुभ संकल्ब यदू,नीलू साहू रिचा यादव, नीलम ध्रुव, छाया बंजारे, गौतमी वैष्णव, शालू तिवारी, पीहू तिवारी, निशु तिवारी, श्रुति बंजारे, नीरज ध्रुव, होरीलाल साहू ,तेज कुमार साहू, सुरेश वर्मा ,शेखर वर्मा, पंकज ध्रुव शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का विशेष योगदान रहा।

लोकसभा चुनाव से पहले बस्तर में फिर गरमाया धर्मांतरण का मुद्दा

जगदलपुर। लोकसभा चुनाव से पहले एक बार फिर छत्तीसगढ़ के बस्तर में धर्मांतरण का मुद्दा गरमाया हुआ है। दरअसल बस्तर जिले के ग्राम पंचायत में धर्मांतरण रोकने विशेष समुदाय के लोगों का गांव में पांचवी अनुसूची के नियमों का हवाला देकर और ग्राम सभा पारित कर विशेष समुदाय के लोगों के व्यवसाय, कारोबार और रोजगार पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके अलावा विशेष समुदाय का कोई भी बाहरी व्यक्ति के गांव में घूमने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

इसके अलावा गांव में कई ऐसे कठोर नियम बनाए गए हैं, जिससे मतांतरण करने वाले ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। इस नियमों के विरोध में सोमवार को बस्तर जिले के लौंहडीगुड़ा ब्लॉक के विशेष समुदाय के सैकड़ों लोगों ने धरना प्रदर्शन किया और 1 घंटे तक जगदलपुर- चित्रकोट मार्ग पर चक्काजाम किया। लगभग 4 घंटे तक धरना प्रदर्शन करने के बाद भी ज्ञापन

लेने किसी अधिकारी को नहीं आता देख विशेष समुदाय के युवाओं ने शर्ट खोलकर धरना प्रदर्शन किया।

इसके बाद लौंहडीगुड़ा ब्लॉक के एसडीएम को युवाओं ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा और पांचवी अनुसूची के तहत विशेष समुदाय के लोगों के खिलाफ पंचायत में बनाए गए नियमों को वापस लेने की मांग की। विशेष समुदाय का आरोप है कि ग्राम सभा में नियमों का हवाला देते हुए विशेष धर्म को मानने वाले आदिवासी और गैर आदिवासियों को डरा, धमकाकर गलत नियम बनाकर और उच्च पद का गलत फायदा उठाकर इनके मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। इन विशेष समुदाय के लोगों को गांव से बहिष्कार करने जैसा कार्य किया जा रहा है।

इनोवा से मिले 50 लाख, पुलिस ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को सौंपा

रायगढ़। लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु प्रभावशील आदर्श आचार संहिता में रायगढ़ की फ्लाइंग स्क्वाड टीम के द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए वाहन चेकिंग के दौरान मेडिकल कालेज रोड से एक टोयोटा इनोवा क्रिस्टा से 50 लाख रुपये नगद अवैध परिवहन करते हुए जप्त किया गया। वाहन में सवार लोगों से उक्त राशि के बारे में जानकारी मांगे जाने पर कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया गया। मामला इंकम टैक्स डिपार्टमेंट को सौंप दिया गया है।

इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकसभा निर्वाचन के उडऩदस्ता टीम दल क्रमांक 05 द्वारा चेकिंग के दौरान मेडिकल कालेज रोड रायगढ़ के आगे एकताल रोड में बंजारी मंदिर के पास टोयोटा इनोवा क्रिस्टा वाहन क्रमांक जे एच 05 डी.सी./5705 को चेक करने पर वाहन में दो व्यक्ति बैठे मिले। जिन्हे पूछताछ कर चेक करने पर एक कपड़ा के थैला में 500-500 रूपये के नोट के 100 बंडल कुल 50 लाख रुपये अवैध रूप से ले जाते मिला। जिसे उक्त रकम के बारे में पूछताछ करने पर कोई संतोषप्रद जवाब नही दे पाये। उडऩदस्ता दल क्रमांक 05 के प्रभारी अधिकारी सहकारी निरीक्षक अविनाश कश्यप, सह प्रभारी अरूण कुमार साव, सहायक ग्रेड 02, पुलिस अधिकारी स.उ.नि. गौतम ठाकुर द्वारा यह कार्यवाही की गई है। आगे की कारवाई हेतु प्रकरण इंकम टैक्स विभाग को सौंपा गया है।

लोकसभा आम निर्वाचन के लिए आदर्श आचार संहिता के प्रभावी होने के बाद से जिले में चौकसी बढ़ा दी गई है। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने सभी इंफोर्समेंट एजेंसीज के अधिकारियों को लगातार जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए हुए हैं। पुलिस के साथ दूसरी जांच एजेंसियों की टीम्स भी फील्ड पर सक्रिय हैं। नगदी एवं अन्य सामग्री के अवैध परिवहन पर लगातार नजर रखी जा रही है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

एसएसटी चेक पोस्ट पातररास में कार से नगद 6 लाख जप्त

दंतेवाड़ा। मंगलवार को दोपहर करीबन 1 बजे में एसएसटी चेक पोस्ट नाका पातररास में दंतेवाड़ा की ओर से आ रहे कार क्रमांक सीजी 04 एल एम 1711 के चालक रंजीत नाग पिता जलंदर नाग निवासी केशलूर को रोक कर जांच किया गया। कार से नगद 6 लाख रूपये मिला जिसके संबंध चालक रंजीत नाग को उक्त रकम के सबंध में कोई दस्तावेज नहीं होना बताया। जिसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को देकर कार्यवाही कर उक्त नगदी रकम 6 लाख रूपये जप्त किया गया। आदर्श आचार संहिता लागू होने पर दंतेवाड़ा जिले के सरहदी क्षेत्र में एसएसटी टीम द्वारा लगातार वाहनों की सघन जांच की जाकर अवैध शराब, गांजा, नकदी के परिवहन पर सक्त कार्यवाही की जा रही है।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

भाटापारा। लोकसभा निर्वाचन में शत प्रतिशत मतदान के लिए स्वीप अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को सिमगा स्थित सांस्कृतिक भवन में किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी केएल चौहान ने उपस्थित गर्भवती महिलाओं को स्वयं मतदान करने व मतदान करने के लिए प्रेरित करने शपथ दिलाई। इसके साथ ही उन्होंने जिले से सवा लाख महिलाओ द्वारा मतदाता शपथ पोस्टकार्ड निर्वाचन आयोग भेजने हेतु महिलाओं से अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान हर मतदाता का अधिकार है और मतदान करना पहला दायित्व। बिना किसी प्रभाव व प्रलोभन के निष्पक्ष होकर स्व विवेक से मतदान करें। स्वस्थ परम्परा अपनाते हुए स्वस्थ लोकतंत्र का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि यहां उपस्थित गर्भवती महिलाओं ने मतदान करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि हर विकासखण्ड से 25- 25 हजार महिलाएं मतदान शपथ पोस्टकार्ड लिखकर जिला कार्यालय में भेजे जिसे निर्वाचन आयोग को भेजा जाएगा।

बच्चों से मजदूरी करवाने वाला शिक्षक निलंबित

कोंडागांव। माकड़ी एवं गांव उड़ीदबेड़ा भट्टीपारा एवं मांझीपारा में बच्चों से स्कूल के समय पर पढ़ाई की जगह मजदूरी करवाने के मामले पर शिक्षक सुखमन मरकाम को जिला शिक्षा अधिकारी आदित्य चांडक ने निलंबित कर दिया गया है। वहीं उड़ीदगांव मांझी एवं इंग्लिश मीडियम स्कूल माकड़ी स्कूल बंद पाए जाने पर उड़ीदगांव मांझी पारा प्रधान पाठक कृष्णा लाल पांडे एवं इंग्लिश मीडियम स्कूल जेपीएमएस की शिक्षिका विजया बाजपेयी, एलबी रत्ना दास, एलबी अनामिका बघेल का एक दिन के वेतन रोकने की कार्यवाही की गई है।

डीईओ ने स्कूल में शराब पीने वाले शिक्षक को किया बर्खास्त

बिलासपुर। शराब पीकर स्कूल में हुड़दंग मचाना शिक्षक को भारी पड़ गया। मस्तूरी के मचहा प्राथमिक स्कूल में शराब पीने वाले शिक्षक संतोष कुमार केंवट को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। घटना का वीडियो सामने आने पर उसे निलंबित भी किया गया था। अब कलेक्टर के अनुमोदन के बाद डीईओ ने शिक्षक की सेवा समाप्ति का आदेश जारी कर दिया है। दरअसल, बीते 28 फरवरी को शिक्षक स्कूल में शराब पी रहा था। मामला मस्तूरी ब्लॉक के शासकीय जनपद प्राथमिक शाला ग्राम- मचहा का था। स्कूल चल रही थी। बच्चे और दूसरे टीचर स्कूल में मौजूद थे। स्कूल की प्रधान पाठक तुलसी चौहान अपने कक्ष में मौजूद थीं। दूसरे टीचर भी काम पर लगे हुए थे। इसी समय यहां पदस्थ सहायक शिक्षक संतोष कुमार केंवट नशे की हालत में अपने साथ शराब और चखना लेकर स्कूल पहुंचा। स्कूल में छोटे-छोटे बच्चों के सामने शराब और बैग में रखा चखना निकाला और कार्यालय कक्ष में मौजूद प्रधान पाठक तुलसी चौहान के सामने शराब की बोतल खोलकर पैग बनाकर पीने लगा।

कांस्टेबल खेलता था मुर्गा लड़ाई, पैसे को लेकर पीटा

जगदलपुर। सोशल मीडिया में आये दिन कोई न कोई वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, अभी हाल ही में बस्तर थाना क्षेत्र में चलने वाले मुर्गा लड़ाई में बस्तर थाना में पदस्थ एक हेड कांस्टेबल के द्वारा पैसे की बात को लेकर ग्रामीण को लात मार पैसे की डिमांड करते हुए गाली गलौज करते नजर आ रहा है। जिसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस हेड कांस्टेबल की धुनाई कर दी जिसके बाद कुछ लोगों ने मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया, जिसके बाद पुलिस अधीक्षक ने हेड कांस्टेबल को लाइन अटैच करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए गाँव वालों ने बताया कि बस्तर थाना क्षेत्र में लगने वाले मुर्गा बाजार में बस्तर थाना में ही पदस्थ हेड कांस्टेबल के द्वारा मुर्गा लड़ाई खेलने का काम करता है, इसी दौरान बाजार में हर बार सादे कपड़े पहनने के साथ ही बाजार में मुर्गा लड़ाई खेलने के साथ खिलाने का काम भी करता है। बीते दिन बाजार में मुर्गा लड़ाई के दौरान पैसे को लेकर हेड कांस्टेबल और ग्रामीण के बीच मारपीट हुई।

हाईकोर्ट ने बीएड पास सहायक शिक्षकों की नियुक्ति रद्द की

बिलासपुर। बीएड डिग्रीधारी टीचर भर्ती के उम्मीदवारों को हाईकोर्ट का बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में असिस्टेंट टीचर भर्ती प्रक्रिया में बीएड उम्मीदवारों की नियुक्ति को निरस्त करने का आदेश दिया है। साथ ही राज्य सरकार को छह सप्ताह के भीतर पुनरीक्षित चयन सूची जारी कर डीएलएड उम्मीदवारों को मौका देने के लिए कहा है। इस आदेश के बाद अब असिस्टेंट टीचर की भर्ती में बीएड पास उम्मीदवारों की दावेदारी खत्म हो गई है।

बता दें कि चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की डिवीजन बेंच ने इस केस में 29 फरवरी को फैसला सुरक्षित रखा था, जिस पर अब आदेश जारी किया गया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि प्राथमिक शिक्षकों के लिए केवल डीएड पास अभ्यर्थी ही मान्य होंगे। कोर्ट

ने ये भी निर्देश दिया है कि वैसे बीएड उत्तीर्ण सहायक शिक्षक, जिनकी ज्वाइनिंग हो चुकी है, उनकी नियुक्ति निरस्त करते हुए 6 सप्ताह में केवल डीएलएड पास अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जाए। कोर्ट ने डीएलएड अभ्यर्थियों को शामिल कर पुनरीक्षित चयन सूची बनाने के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि राज्य शासन ने 4 मई 2023 को सहायक शिक्षकों की भर्ती विज्ञापन जारी किया था। इसके तहत डीएलएड के साथ बीएड योग्यताधारी को भी सहायक शिक्षक की भर्ती के लिए आवेदन का योग्य माना था। डीएलएड उत्तीर्ण शिक्षकों ने सेवा भर्ती नियम और विज्ञापन को इस आधार पर चुनौती दी कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय अनुसार प्राथमिक शिक्षकों के लिए बीएड अमान्य है। सहायक शिक्षकों के लिए सिर्फ डीएलड ही मान्य है।

मामले की सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने बीएड अभ्यर्थी की काउंसिलिंग पर पर रोक लगा दी, जिसे अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के निर्णय पर रोक लगाते हुए बीएड शिक्षकों को भी अंतरिम रूप से नियुक्ति देने का निर्देश दिया, लेकिन उनकी नियुक्ति को हाईकोर्ट में लंबित प्रकरण के अंतिम निर्णय के अधीन रखा था। 29 फरवरी 2024 को प्रकरण में अंतिम सुनवाई हुई, जिसके बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था।

2 अप्रैल 2024 को निर्णय सुनाया गया, जिसमें बीएड योग्यताधारी को अपात्र मानते हुए उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी गई है। साथ ही 6 हफ्ते में डीएल योग्यताधारी की पुनरीक्षित चयन सूची बनाने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मिनाक्षी अरोरा, अनुराग दयाल, अजय श्रीवास्तव, इशान वर्मा ने पक्ष रखा।

रेलवे फाटक को बंद करने की तैयारी पर बिफरे ग्रामीण

सक्ती। क्या रेलवे एक गांव को दो हिस्सों में बांट सकता है। ऐसा ही मामला जिले के सकरेली गांव में देखने को मिल रहा है। रेलवे ने रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज के बनने के बाद सकरेली गांव के बीच से गुजरने वाले रेलवे लाइन के फाटक को बंद करने का फैसला लेते हुए वहां दीवाल खड़ा करने की तैयारी में है, जिसके विरोध में ग्रामीण सड़क पर उतर आए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि रेलवे ओवर ब्रिज काफी लंबा है, जिसकी वजह से अब हर छोटे-मोटे काम के लिए 2 से 3 किलोमीटर घूमकर जाना पड़ेगा। गांव में अगर किसी की मौत भी होती है तो गांव के ही श्मशान घाट जाने के लिए भी पैदल काफी घूमकर जाना पड़ेगा। ग्रामीणों ने सकरेली रेलवे क्रॉसिंग पर अंडर ब्रिज बनाए जाने के साथ फाटक को बंद नहीं करने की मांग कर रहे हैं।

सकरेली गांव के सैकड़ों ग्रामीण सोमवार को अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर को अपनी समस्या से अवगत कराया। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने ग्रामीणों की मांग को ध्यान में रखते हुए रेलवे के अधिकारियों को पत्र लिखा है। फिलहाल,

कलेक्टर के कहने पर और लोकसभा चुनाव को देखते हुए रेलवे ने फाटक बंद करने का फैसला टाल दिया है, लेकिन चुनाव के बाद फैसला फिर बदला जा सकता है, जिसकी वजह से ग्रामीण अभी भी संतुष्ट नजर नहीं आ रहे हैं। रेलवे के फाटक को बंद करने के निर्णय से नाराज ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव के बहिष्कार की चेतावनी भी दे डाली है, ऐसे में लोकसभा चुनाव के पहले सक्ती जिले के नवपदस्थ कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है, क्योंकि आचार संहिता के समय नई स्वीकृति मिलना संभव नहीं है। ऐसे में अब देखना होगा कि जिला प्रशासन ग्रामीणों को कैसे मनाएगा।

संक्षिप्त समाचार

आम आदमी पार्टी को लगा बड़ा झटका पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा में हुए शामिल

कांकेर। आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष भाजपा में शामिल हुए। कांकेर में आयोजित भाजपा प्रत्याशी के नामांकन रैली में सीएम साय ने कोमल हुपेंडी का पार्टी का गमछा पहनाकर स्वागत किया। बता दें कि कोमल हुपेंडी ने 2023 का विधानसभा चुनाव आप की टिकट पर भानुप्रतापपुर से लड़ा था और 15255 वोट हासिल किए थे। आज उन्होंने अपने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थामा और कांकेर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी को प्रचंड मतों से जिताने का संकल्प लिया।

पुलिस ने 16 से 31 मार्च तक 28 करोड़ रु. से ज्यादा की नगदी और सामान जब्त की

रायपुर। लोकसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस की ओर से लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही सरप्राइज चेकिंग भी किया जा रहा है। इस दौरान पुलिस बड़ी मात्रा में अवैध सोने-चांदी के जेवरात, नगदी रकम, अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने आठ करोड़ 12 लाख रुपये नगद रकम भी जब्त किए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रवर्तन एजेंसियों (इन्फोर्समेंट एजेंसीज) की ओर से निगरानी के दौरान बीते 31 मार्च तक 22 हजार 775 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है, जिसकी कीमत 52 लाख रुपए है। साथ ही 1 करोड़ 52 लाख रुपए कीमत की 827 किलो अन्य नशीली वस्तुएं भी जब्त की गई हैं। राजधानी रायपुर समेत पुरे प्रदेश में सघन जांच अभियान के दौरान 94 लाख रुपये कीमत के 23.15 किलोग्राम कीमती आभूषण और रत्न भी जब्त किए गए हैं। इनके अतिरिक्त अन्य सामग्रियां, जिनकी कीमत 17 करोड़ 24 लाख रुपये है, जिससे जब्त किया गया है।

कोयला घोटाले मामले में एसीबी और ईओडब्ल्यू को पूछताछ की मिली अनुमति

रायपुर। एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम एक बार फिर से विशेष कोर्ट पहुंची। टीम ने जेल में बंद निलंबित आईएएस रानू साहू और निलंबित डिप्टी सेक्रेटरी सौम्या चौरसिया से पूछताछ के लिए अनुमति मांगी। जहां सेंट्रल जेल में बंद कोयला घोटाले के आरोपियों से पूछताछ की अनुमति मिल गई है। आरोपियों से 4, 5 और 7 अप्रैल को ईओडब्ल्यू की टीम जेल में पूछताछ करेगी। कोयला घोटाले मामले में पहले चरण में ईओडब्ल्यू 11 आरोपियों से पूछताछ कर चुकी है।

पूर्व महामंत्री ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल को भेजा मानहानि का नोटिस

रायपुर। लोकसभा चुनाव में ज्यादा दिन बचे

नहीं हैं। भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी लड़ाई तेज हो गई है। लेकिन एक लड़ाई कांग्रेस पार्टी के नेताओं के बीच भी कुछ दिनों से चल रही है। ये लड़ाई पूर्व महामंत्री अरुण सिसोदिया और पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बीच है। पूर्व मंत्री ने भूपेश बघेल के बयान पर अब उनको मानहानि का नोटिस भेजा है। बता दें कि कांग्रेस के पूर्व महामंत्री अरुण सिसोदिया ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के स्लीपर सेल वाले बयान पर अरुण सिसोदिया ने अपने वकील के माध्यम से नोटिस भेजा है। नोटिस में 15 दिन के अंदर माफी मांगने कहा है। माफी नहीं मांगने पर कानूनी कार्रवाई करने बात कही गई है। बता दें कि अरुण सिसोदिया ने अपने पत्र ने हाल ही में एक पत्र जारी कर अपने ही पार्टी के नेताओं पर फंड में अनियमितता का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि रामगोपाल अग्रवाल और विनोद वर्मा के बेटे की कंपनी को 5 करोड़ 89 लाख रुपए का भुगतान कर पार्टी को नुकसान पहुंचाया गया है, जिन्होंने पार्टी के पैसे का दुरुपयोग किया है। उन पर कारवाई होनी चाहिए। मैं पार्टी का सच्चा सिपाही हूं, पार्टी में अगर सच बोलना बगावत है तो मैं बागी हूं और अगर पार्टी कार्रवाई करती है तो मैं राहुल गांधी, दीपक बैज और चरणदास महंत के साथ खड़ा हूं।

प्रधानमंत्री जब भी आते हैं पूरा प्रदेश राममय हो जाता है : टंकराम

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 अप्रैल को बस्तर दौरे पर आ रहे हैं। इसे लेकर कैबिनेट मंत्री टंकराम ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर पूरे कार्यकर्ता तैयारी में जुटे हुए हैं। प्रधानमंत्री जब भी प्रदेश में आते हैं तो पूरा प्रदेश राममय हो जाता है। पार्टी के कार्यकर्ता नेता सभी उत्साहित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बस्तर दौरे को लेकर लगातार तैयारी में जुटे हुए हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बयान पर मंत्री टंकराम वर्मा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उनकी जो योजनाएं हैं, जो गारंटी दे रहे हैं, उस पर कोई भरोसा करने वाले नहीं है। साथ ही कहा कि देश में एक ही गारंटी है। जिस पर लोग विश्वास करते हैं। वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी है और इस गारंटी के दम पर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। वहीं नक्सलवाद को लेकर मंत्री ने कहा कि वे (कांग्रेस) दिखावा करते थे। काम कुछ नहीं करते थे। यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार है जो बोलती है, वही करती है। नक्सलियों का वहां से सफाया करेंगे। वहां विकास की गंगा बहाएंगे। जब पूर्व में भाजपा की सरकार थी, मुख्यमंत्री रमन सिंह थे तब उनके कार्यकाल में भी कई विकास कार्य हुए थे।

बघेल के बैलेट पेपर से चुनाव वाले बयान पर विजय शर्मा का पलटवार

कहा- ईवीएम मशीन को दुनिया मान रही, ईसी ने यहां तक कहा कि हैक करके दिखाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीजेपी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इसी बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 6 अप्रैल को छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे है। इस दौरान वह राजनांदगांव लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले कवर्धा जिले में बीजेपी प्रत्याशी के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। यह जानकारी उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज पत्रकारों से चर्चा के दौरान दी। इसके अलावा उन्होंने पूर्व सीएम बघेल के बैलेट पेपर से चुनाव वाले बयान पर पलटवार भी किया। साथ ही पीसीसी चीफ और बस्तर से लोकसभा प्रत्यशी कवासी लखमा पर भी निशाना साधा।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने बस्तर से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी कवासी लखमा पर निशाना साधते हुए कहा कि दीपक बैज जिनका चुनाव प्रचार कर रहे हैं उन्होंने कहा था कि कलेक्टर को झापड़ से मारना चाहिए। साधारण सांकेतिक विषय पर कितनी गंभीरता होनी चाहिए उनसे पूछा जाना चाहिए। मसला यह है कि अलग-अलग लोगों के लिए वह दोहरे मापदंड नहीं रख

सकते। 24 घंटे अगर रायपुर में लाइट ना रहे तो आप क्या सोचेंगे? दूर-दराज गांव में लाइट नहीं है, वह मूलभूत जरूरत से दूर है। बस्तर के अंदरूनी गांव में जहां मूलभूत जरूरतें चाहिए वहां के लोगों को आशा है कि जब भाजपा के सांसद बस्तर से जीत कर आएंगे तब इसका निवारण निश्चित रूप से होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बैलट पेपर से चुनाव करवाने वाले बयान पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा कि वह जनता के विरोध पर अपनी बात वापस ले रहे है। उन्होंने एक बार नहीं अनेक बार इस बात को कहा है। ईवीएम मशीन को दुनिया मान रही है। इलेक्शन कमिशन ने तो यह तक कहा है कि श्वङ्करू हैक करके दिखाएं। विरोध करने के उद्देश्य से अगर वह ऐसा कह रहे हैं तो गलत हैं। तोड़-मरोड़ कर बातों को पेश करने की बात पर उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

बीजापुर में आठ नक्सलियों के मारे जाने की सूचना

बीजापुर क्षेत्र में नक्सली हमले पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कही कि, इलाके में सर्चिंग जारी है। मुठभेड़ में अब तक आठ नक्सलियों के मारे जाने की सूचना है। मुठभेड़ स्थल पर सुरक्षाबलों को विदेशी हथियार मिले है, इस तरीके के हथियार का उनके पास होना काफी चिंताजनक है। इन हथियारों से वह करना क्या चाहते है यह चिंतन का विषय है।

भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय ने दाखिल किया नामांकन, जीत का किया दावा

राजनांदगांव। लोकसभा चुनाव को लेकर आज भाजपा प्रत्याशी और सांसद संतोष पांडे ने राजनंदगांव कलेक्टरेट पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन यादव, जिला अध्यक्ष रमेश पटेल और भाजपा नेता सुरेश लाल मौजूद रहे। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए जीत का दावा किया, वहीं कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

मीडिया से बातचीत करते हुए संतोष पांडेय ने कहा कि आज भाजपा के नेताओं के मौजूदगी मैने फॉर्म भर दिया है, चार तारीख को एक रैली और सभा का आयोजन किया गया है जिसमें प्रदेश के दिग्गज नेता भी शामिल होंगे। भूपेश बघेल पर निशाना चाहते हुए उन्होंने कहा कि आपने जो काम किया उसके कारण ही जनता ने आपको निपटा दिया यह उसी का हश्र है।

नामांकन के बाद संतोष पांडेय ने कहा कि जनता के साथ आपने क्या-क्या किया राजनांदगांव की जनता बहुत अच्छे से जानती है और 26 तारीख को वोट के रूप में बदलेगा और आपको पता चल जाएगा। वहीं एक भाजपा नेता की हत्या में आरोपी आदिवासी नेता के ठिकानों से असलहा बारूद बरामद होने के मामले में गिरफ्तारी को लेकर उन्होंने कहा कि सभी को पता है कि वह नेता किस तरह की बयान बाजी करता था उसका वीडियो भी सभी के पास है। वहीं उन्होंने भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए कहा कि सीएम हाउस में उसकी अंदर तक एंट्री थी भूपेश बघेल के पिता उसे अपना दूसरा बेटा मानते थे।

भोजराज नाग के नामांकन में शामिल हुए सीएम साय

कांकेर। सीएम विष्णुदेव साय आज कांकेर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग के नामांकन में शामिल होने कांकेर पहुंचे थे। भोजराज ने सीएम विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव , प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया है। नामांकन के बाद सीएम विष्णुदेव साय ने दावा किया कि कांकेर लोकसभा सीट पर भाजपा भारी मतों से जीतकर आएगी। नामांकन रैली के बाद आम सभा को सम्बोधित करते हुए सीएम साय ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। सीएम साय ने कहा कि इस बार सभी 11 सीट जीतकर कांग्रेस को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेना है, कांग्रेस को पिछले विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता ने भारी बहुमत के साथ सत्ता दी थी लेकिन कांग्रेस ने सिर्फ जनता के पैसे को लूटने का काम किया और आज उनके अधिकांश नेताओं पर कार्रवाई हो रही है।

एनएसयूआई ने स्कूलों के समय में बदलाव के लिए डीईओ को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। वर्तमान में तेज गर्मी को देखते हुए शासकीय-अशासकीय स्कूलों के संचालन समय में बदलाव के लिए एनएसयूआई ने रायपुर जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। बता दे कि वर्तमान में इस समय भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ने लगा है, जिससे छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षक और स्कूल स्टॉफ भी परेशान है। ऐसे में छात्रों की परेशानी को देखते हुए एनएसयूआई वाइस चेयरमैन पुनेश्वर लहरे के साथ संगठन से जुड़े छात्रों ने रायपुर जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है।

पुनेश्वर लहरे ने कहा कि हर साल जिला शिक्षा अधिकारी की लापरवाही को अवगत कराना पड़ता है। गर्मी में इस समय बच्चे बजुर्ग सभी परेशान है। ऐसे में विद्यालय का समय सुबह 8 से 4 तक है। गर्मी के कारण ग्रामीण क्षेत्र में पढ़ने वाले बच्चों एवं दूर-दराज के क्षेत्रों में कार्यरत अध्यापकों में इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़

रहा है। अधिकांश बच्चे एवं शिक्षक भीषण गर्मी और उमस से बीमार हो रहे हैं।

प्रदेशभर में पड़ रहे वर्तमान में तापमान वृद्धि होने के कारण छात्र-छात्राओं को गर्मी से बचाव के लिए जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त, मान्यता प्राप्त, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सीबीएसई शैक्षणिक संस्थाओं के संचालन का समय प्रात। 7।30 बजे से दोपहर 12 बजे तक नियत, संचालित कराने के लिए आदेशित करने के लिए ज्ञापन दिया है।

दुर्ग में कांग्रेस नेता समर्थकों समेत भाजपा में शामिल

दुर्ग। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने बीजेपी के खिलाफ जोरदार तरीके से चुनाव लड़ने किया था। लेकिन जैसे जैसे वोटिंग की तारीख नजदीक आ रही है। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का विश्वास पार्टी से डगमगा रहा है। कभी कांग्रेस का गढ़ कहे जाने वाले दुर्ग जिले में कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी बजी है। सोमवार को पूर्व क्रेडा सदस्य और कांग्रेस नेता विजय साहू ने अपने एक हजार समर्थकों के साथ बीजेपी का दामन थामा। इससे पहले विजय साहू ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के नाम चिट्ठी लिखकर उन्हें फैसलों पर एक बार दोबारा विचार करने के लिए कहा था।

कांग्रेस नेता और क्रेडा के पूर्व सदस्य विजय साहू के साथ एक हजार से ज्यादा समर्थक भी बीजेपी से जुड़े। दुर्ग सांसद विजय साहू और भिलाई जिलाध्यक्ष महेश वर्मा ने उन्हें सदस्यता दिलाई।आपको बता दें कि ये सिर्फ विजय साहू और उनके समर्थकों की बात नहीं है। दुर्ग जिले की बात की जाए तो कभी कांग्रेस का झंडा उठाकर आवाज बुलंद करने वाले करीब 30 हजार कार्यकर्ता और सदस्यों ने भी पार्टी से मोह भंग कर लिया है।ये सभी

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की एक्सप्रेस ट्रेन से उतरकर बीजेपी की सुपरफास्ट गाड़ी का सफर कर रहे हैं।

मौजूदा समय की बात करें तो भिलाई से क्रेडा के पूर्व सदस्य विजय साहू ने भी कांग्रेस को अलविदा कहा है।विजय साहू के बीजेपी प्रवेश से पहले कैलाश नगर के एक बड़े मैरिज गार्डन में सभा का आयोजन किया गया था।इस कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल ने पार्टी का गमछा पहनाकर सभी लोगों को बीजेपी में शामिल करवाया। विजय साहू के साथ सभी कार्यकर्ताओं का बीजेपी में भव्य स्वागत भी हुआ। विजय बघेल ने कहा भारतीय जनता पार्टी मजबूत होती जा रही है। लोगों के मन में केवल एक ही भाव है कि देश के विकास के लिए काम करना है। इसलिए लोगों ने मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर भरोसा जताया है।

इस दौरान बीजेपी में प्रवेश करने वाले पूर्व कांग्रेस नेता विजय साहू ने कहा कि आज मंच से मैंने जय श्रीराम का उद्घोष किया, तो मन को काफी सुकून मिला है। अब तक ऐसा लग रहा था कि मानो किसी ने हमें बांध रखा है। विजय बघेल और महेश वर्मा के साथ जुड़कर मोदी सरकार को दोबारा केंद्र की सत्ता में लाने के लिए मजबूती से काम करेंगे।

आपको बता दें कि कांग्रेस से लोकसभा प्रत्याशी भूपेश बघेल ने राजनांदगांव में कांग्रेस पार्टी में स्लीपर सेल होने की बात कही थी। भूपेश बघेल ने राजनांदगांव के ग्राम धामनसरा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत की थी। इसी दौरान भूपेश बघेल ने कहा था कि कांग्रेस के अंदर भी स्लीपर सेल हैं, जो बीजेपी को फायदा पहुंचाते हैं।

कुछ इस अंदाज में वोटर्स को जागरूक करने निकले जिला निर्वाचन अधिकारी

नागरिकों को दिलाई मतदाता जागरूकता की शपथ

रायपुर। राजधानी रायपुर में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली कलेक्ट्रेट परिसर से निकाली गई। हेलमेट, तख्ती और सभी के टी-शर्ट में मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया। रैली में महिलाएं बुलेट, स्कूटी लेकर निकली और मतदाताओं में जागरूकता लेन के लिए नारे भी लगाए। इस दौरान शत-प्रतिशत मतदान के लिए लोगों को शपथ भी दिलाई गई।

रायपुर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह के नेतृत्व में आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ लोक आयोग के प्रमुख लोकायुक्त जस्टिस टीपी शर्मा ने हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर कलेक्टर गौरव सिंह ने कहा कि शहरी क्षेत्र के लोग अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें। रायपुर लोकसभा के लिए 7 मई को मतदान की तिथि घोषित की गई है। अधिक से अधिक लोग मतदान केंद्रों में पहुंचकर मतदान करने के साथ आसपास

के लोग, पड़ोसी और अपने परिवारजनों को मतदान के लिए प्रेरित करने की अपील की।

स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए समय-समय पर गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर गौरव सिंह और जिला प्रशासन की टीम कलेक्ट्रेट से मतदाता जागरूकता की तख्ती लेकर बाइक से निकली। बाइक रैली घड़ी चौक, जयस्तंभ चौक, फूल चौक, तात्यापारा चौक, आमापारा, आजाद चौक, आश्रम से होकर अनुपम गार्डन पहुंची। अनुपम गार्डन में कलेक्टर ने बाइक रैली में शामिल लोगों और गणमान्य नागरिकों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई।

एआईजी संजय शर्मा और उनकी टीम ने मतदाता जागरूकता का संदेश देते हुए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। साथ ही जुंबा का आयोजन हुआ। मतदाता जागरूकता के लिए महिलाएं बुलेट और स्कूटी में निकली। तख्ती लेकर निकले वोट की ताकत, पहचानो मतदाता, मजबूत प्रजातंत्र से इसका नाता, हमारा आह्वान, करें मतदान, बनें महान जैसे कई संदेश मतदाता जागरूक के दिए गए।

राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया नामांकन

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल ने आज अपना नामांकन भर दिया है। राजनांदगांव कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर नेता प्रतिपक्ष और अन्य कांग्रेसी विधायकों की मौजूदगी में भूपेश बघेल ने नामांकन दाखिल किया। इस दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए 384 लोगों के फॉर्म भरे जाने के मामले को लेकर कहा कि बयान को तोड़ मरोड़ कर दिखाया जा रहा इसके साथ ही कांग्रेस की राशि फ्रिज करने के मामले को लेकर भी उन्होंने बयान दिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल को अपना नामांकन पत्र भूपेश बघेल द्वारा सौंपा गया वहीं नामांकन दाखिल करने के दौरान भूपेश बघेल नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत और कई कांग्रेसी विधायक मौजूद रहे। इस दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए भूपेश बघेल ने कहा कि आईटी मामले में कल सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया इतने दिन डेढ़ महीने तक हमें परेशान करते रहे हमारे कोषाध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यक्ष सभी परेशान रहे, यहां कोशिश यही है कि लोकतंत्र में मैच फिक्सिंग करने की कोशिश भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकार कर रही है।

छत्तीसगढ़ में तीन चरणों में लोकसभा का चुनाव हो रहा है, आज मैंने भी नामांकन भरा है कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में यहां से मुझे क्षेत्र की सेवा करने का अवसर मिलेगा। 26 तारीख का इंतजार सब कर रहे हैं सब का आशीर्वाद मुझे मिलेगा। इसके साथ ही भूपेश बघेल ने कई विषयों पर पत्रकारों से चर्चा की।

चुनाव आयोग की सी-विजिल एप से मिली शिकायतों का हुआ निराकरण

रायपुर। आम नागरिकों से आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें सी-विजिल एप के माध्यम से मिल रही हैं। सी-विजिल पर मिलने वाली शिकायतों के निराकरण के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में अलग से नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले स्वयं प्रतिदिन मिलने वाली शिकायतों पर हुई कार्रवाई की निगरानी कर रही हैं।

इन माध्यमों से कर सकेंगे शिकायत

आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों में नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने और शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग की ओर से निर्मित सी-विजिल एप को और भी सशक्त बनाया गया है। अब आम

नागरिक आचार संहिता उल्लंघन के मामलों की शिकायत लाइव फोटोग्राफ और वीडियो के साथ-साथ ऑडियो क्लिप के माध्यम से भी कर सकेंगे।

शिकायत करने की प्रक्रिया

गूगल प्ले स्टोर से सी-विजील एप डाउनलोड करें। नागरिक या तो मोबाइल नंबर और ओटीपी के माध्यम से लाग-इन कर सकते हैं या गुमनाम रूप से भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का फोटो, वीडियो, ऑडियो कैप्चर करें। पहले से रिकार्ड किए गए फोटो, वीडियो, ऑडियो मान्य नहीं होगा। घटनास्थल की लोकेशन दर्ज करें। सभी अनिवार्य फील्ड दर्ज करने के बाद सबमिट पर क्लिक करें।

शिकायतकर्ता की पहचान रहेगी गुप्त

सी-विजिल शिकायतकर्ता को फोन नंबर और अपनी पहचान को गुप्त रखते हुए भी शिकायत दर्ज कराने की सुविधा प्रदान करता है। शिकायतकर्ता अपनी शिकायत पर की गई कार्यवाही को ट्रैक कर सकते हैं। इस एप्लिकेशन के माध्यम से नागरिकों की शिकायत पर पूरी कार्रवाई 100 मिनट से पहले की जाती है।

छत्तीसगढ़ चैम्बर व रायपुर सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारी मिले पुलिस कप्तान से

रायपुर। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एवं रायपुर सराफा एसोसिएशन का एक संयुक्त प्रतिनिधि मंडल ने रायपुर पुलिस कप्तान से मुलाकात कर लोकसभा चुनाव के दौरान समस्त व्यापरियों को व्यापार के दौरान आने वाली समस्याओं से अवगत कराई।

छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी एवं रायपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश भंसाली के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह से मुलाकात कर व्यापरियों को चुनाव के दौरान लेनदेन की प्रक्रिया में हो रही परेशानियों से अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक ने सराफा व्यापारियों की समस्याओं को ध्यान से सुना और समस्या की गंभीरता से समझते हुए अपने अधिकारियों से समाधान निकालने को कहा। व्यापारियों से आवश्यक कागजात एवं परिचय पत्र साथ मे रखने की भी हिदायत दी। एसपी संतोष कुमार सिंह ने यथासम्भव सहयोग का आश्वासन दिया, उनका ये भी कहना था कि आचार संहिता लागू होने के कारण चुनाव आयोग के अधिकारियों के अनुसार ही हमे कार्यवाही करनी होती है इसलिए व्यापरियों से विशेष आग्रह अपने पूर्ण दस्तावेज साथ लेकर लेनदेन की प्रक्रिया को करें।

प्रतिनिधि मंडल मे छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स के कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंह देव, मनमोहन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, सराफा के सचिव दीपचंद कोटडिया, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र गोलछा, उपाध्यक्ष हरीश डागा, सुनील सोनी, सह सचिव प्रवीण मालू, दिलीप टाटिया आदि उपस्थित थे। ज्ञापन के माध्यम से व्यापारी की पहचान पश्चात सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी जब्त न हों, का निवेदन कर सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की गई।

विपक्षी एकता का संकल्प कितना मजबूत ?

राजेश बादल

करीब-करीब आधी सदी से भारत में सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ प्रतिपक्षी एकता की बात हो रही है। जब चुनाव निकट आते हैं तो एकता के सुर विपक्षी दलों के गले से फूटने लगते हैं। चुनाव संपन्न हो जाने के बाद एकता के तार टूटने लगते हैं और नए ढंग से गठबंधन आकार लेने लगता है। यदि विपक्षी गठबंधन सरकार बनाने में कामयाब रहा तो सत्ता की मलाई खाने के लिए यह दल साथ चलते रहते हैं। यदि गठबंधन नाकाम रहा तो अपने हितों को ध्यान में रखते हुए यह दल नए समझौते करने लगते हैं। ऐतिहासिक रामलीला मैदान में रविवार को इंडिया गठबंधन की रैली इस परंपरा में एक कड़ी मानी जा सकती है। अनेक सवालों के बीच इतनी अधिक संख्या में विपक्षी पार्टियों के मुखियाओं का एक मंच पर आना भारतीय लोकतांत्रिक सेहत के बारे में आशा तो बंधाता है लेकिन स्थानीय स्तर पर विरोधाभासी सियासी समीकरणों के चलते गठबंधन के टिकाऊ होने पर संदेह भी उपजता है। दिल्ली का यह रामलीला मैदान साक्षी है कि जब-जब कोई राजनीतिक संदेश देने के लिए यहां जमावड़ा हुआ तो वह बेकार नहीं गया। पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पहले और दूसरे आम चुनाव के बीच कुछ विराट सभाएं इस मैदान में कीं। जिस तरह का संदेश देने के लिए उनकी रैली अथवा सभाएं हुईं, वह कमोबेश सफल रहा। उनके बाद 1971 में बांग्लादेश निर्माण के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भारत के लोगों को उस दौर का हाल बयान करने के लिए इसी मैदान का इस्तेमाल किया। बताने की आवश्यकता नहीं कि वे भी अपने मकसद में कामयाब रहीं। इसके बाद जून 1975 में लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने आपातकाल के विरोध में यहां से इंदिरा गांधी की सरकार के खिलाफ जंग का ऐलान किया और कांग्रेस पार्टी के हाथ से सत्ता निकल गई। इसके बाद विश्वनाथ प्रताप सिंह ने राजीव गांधी सरकार के विरुद्ध इसी मैदान से हुंकार भरी और परिणाम उनके लिए भी अनुकूल रहे। फिर 2011 में अन्ना हजारे के नेतृत्व में बड़ी सभा इसी रामलीला मैदान में हुई। यह सभा भी जनमत की सोच बदलने में कामयाब रही। लब्बोलुआब यह कि जम्हूरियत पसंद हर देश में कुछ ऐसे प्रतीक होते हैं, जो लोगों तक लोकतांत्रिक खुराक पहुंचाने का काम करते हैं। इन प्रतीकों की अपनी खास भूमिका होती है। हालांकि भारत में इन गठबंधनों को तात्कालिक लाभ तो मिला, लेकिन बाद में वे मतभेदों के कारण टूटते-फूटते रहे। आजादी के बाद बना सबसे महत्वपूर्ण साझा मोर्चा जनता पार्टी की शक्ल में सामने आया। मगर वह तीन साल पूरे होते-होते मतभेदों की वजह से बिखर गया। कुछ ऐसा ही विश्वनाथ प्रताप सिंह के जनमोर्चा का हश्र हुआ। अनुभव कहता है कि इन गठबंधनों में शामिल छोटे और प्रादेशिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र नहीं रह पाता। वे अपने सियासी स्वार्थों के कारण ठोस वैचारिक धुरी पर नहीं टिके रह पाते और उन गठबंधनों के साथ कभी जुड़ते हैं तो कभी अलग हो जाते हैं। इस तरह गठबंधन का सैद्धांतिक पक्ष कमजोर होता है। प्रश्न है कि क्या इंडिया गठबंधन में शामिल दल चुनाव तक या चुनाव के बाद भी एकजुट रहेंगे? इस गठबंधन में तीन तरह की पार्टियां शामिल हैं। एक तो वे जो कांग्रेस के साथ हरदम साथ खड़ी रही हैं। लालू यादव की आरजेडी, शरद पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, डीएमके यानी द्रविड़ मुनेत्र कषगम और वामदलों जैसी पार्टियां भरोसेमंद श्रेणी में रखी जा सकती हैं। इनका साथ नहीं टूटा। दूसरी श्रेणी में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना, उमर फारुक की सदारत वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस, अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी और हेमंत सोरेन का झारखंड मुक्ति मोर्चा रखे जा सकते हैं। इंडिया गठबंधन फिलहाल इन पर भरोसा कर सकता है। मेरी दृष्टि में तीसरी श्रेणी के दलों में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी रखी जा सकती है। इन पार्टियों को तीसरी श्रेणी में रखने का कारण यह है कि वे कभी भी, किसी भी वजह से गठबंधन छोड़ सकती हैं। एक तरफ तृणमूल कांग्रेस अपने प्रतिनिधि के रूप में डेरेक ओ ब्रायन को इंडिया गठबंधन की रैली में भेजती है, जो ऐलान करते हैं कि उनकी पार्टी हर हाल में इंडिया गठबंधन के साथ है, मगर उसी दिन महुआ मोइत्रा की प्रचार सभा में पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी साफ-साफ कहती हैं कि गठबंधन बंगाल के लिए नहीं है। इसलिए उन्होंने सभी सीटों पर पार्टी के उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं और प्रचार भी जोर-शोर से शुरू कर दिया।

राजनीति में बदल रहे नैतिकता के मायने

सुरेश हिंदुस्तानी

भारतीय राजनीति में ऐसे कई उदाहरण दिए जा सकते हैं, जो आज भी नैतिकता के आदर्श हैं। लेकिन आज की राजनीति को देखकर ऐसा लगने लगा है कि नैतिकता की राजनीति दूसरा तो अवश्य करें, पर ज़ब स्वयं को नैतिकता की कसौटी पर परखने की बारी आए तब नैतिकता के मायनों को बदल दिया जाता है। भारतीय राजनीति में राजनेताओं पर आरोप लगने पर कई लोगों ने अपने पद को त्याग दिया था, दिल्ली के शराब घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने भारतीय राजनीति को अलग राह पर ले जाने का उदाहरण पेश किया है, हालांकि इस उदाहरण को आदर्श वादिता के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किए गए हैं। यह एक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले व्यक्ति के लिए शोभनीय नहीं हैं। केजरीवाल स्वयं कहते थे कि वे राजनीति में भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आए हैं, लेकिन अब ज़ब उन पर ही सवाल उठ रहे हैं, तब उनसे भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति की आशा करना बेमानी ही कही जाएगी। यहाँ सवाल यह भी उठ रहा है कि दिल्ली के शराब घोटाले में अभी तक जिन पर आरोप लग रहे हैं, उनको जमानत लेने का पर्याप्त आधार नहीं मिल रहा, इसका आशय यह भी है कि सरकार की ओर से कोई न कोई गलत आचरण किया गया होगा, अन्यथा एक मुख्यमंत्री को ऐसे ही गिरफ्तार नहीं किया जाता। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से भी यही कहा जा रहा है, उसके पास इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि आम आदमी पार्टी के नेताओं के संकेत पर पैसों का लेनदेन हुआ।

दिल्ली में शराब घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिस प्रकार से प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया है, उस पर विपक्ष की ओर से सत्ता पक्ष पर कई प्रकार के सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल उठाना विपक्ष की राजनीतिक मजबूरी हो सकती है, लेकिन इन सवालों की परिधि में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से जो आरोप लगाए जा रहे हैं, उस पर विपक्ष कुछ भी बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। इससे इस बात को भी बल मिलता है कि दाल में कुछ काला अवश्य है। प्रवर्तन निदेशालय ने यह साफ तौर पर संकेत दिया है कि

अरविंद केजरीवाल अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की उपज हैं। उस समय अरविंद केजरीवाल ने अपने आपको ऐसा प्रचारित किया कि एक वे ही भारतीय राजनीति के उच्चतम आदर्श हैं। लेकिन उनके आचरण पर स्वयं अण्णा हजारे ने सवाल उठाए थे, हालांकि अण्णा हजारे के सवालों को केजरीवाल ने दरकिनार कर दिया। इसका तात्पर्य यही है कि अन्ना हजारे राजनीति में जिस प्रकार का पारदर्शी व्यवहार चाहते थे, वैसा दिखाई नहीं दे रहा था। केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अण्णा हजारे ने कहा शराब पर नीति बनाने से रोका था। अण्णा हजारे ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को उनके कर्मों का परिणाम बताया।

केजरीवाल शराब घोटाले का मुख्य आरोपी है। अब यह जांच के बाद ही पता चलेगा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर लगाए जा रहे आरोप किस हद तक सही हैं या फिर केजरीवाल अपने आपको निर्दोष साबित कर पाते हैं या नहीं। अगर प्रवर्तन निदेशालय की ओर से लगाए गए आरोपी प्रमाणित होते हैं तो यह स्पष्ट कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक संवैधानिक पद के प्रभाव का दुरुपयोग किया है।

हम यह भली भांति जानते हैं कि अरविंद केजरीवाल अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की उपज हैं। उस समय अरविंद केजरीवाल ने अपने आपको ऐसा प्रचारित किया कि एक वे ही भारतीय राजनीति के उच्चतम आदर्श हैं। लेकिन उनके आचरण पर स्वयं अण्णा हजारे ने सवाल उठाए थे, हालांकि अण्णा हजारे के सवालों को केजरीवाल ने दरकिनार कर दिया। इसका तात्पर्य यही है कि अन्ना हजारे राजनीति में जिस प्रकार का पारदर्शी व्यवहार चाहते थे, वैसा दिखाई नहीं दे रहा था। अब अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भी समाजसेवी अण्णा हजारे की ओर से साफ सुथरी टिप्पणी आई है, जिसमें अण्णा हजारे ने शराब पर नीति बनाने से रोका था। अण्णा हजारे ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को उनके कर्मों का परिणाम बताया। आज दिल्ली का शराब घोटाला यही चरितार्थ करते हुए लग रहा है कि शराब किसी भी संस्था या व्यक्ति को बर्बाद कर देती है। यह बात केजरीवाल पर लागू होती है या नहीं, यह तो समय बताएगा, लेकिन जब आग लगती है तब ही धुंआ उठता है और इस धुंए का कालिमा किस किस के शक्ल को बिगाड़ने का काम करेगी, यह समय के गर्भ में है।

केजरीवाल की सरकार पर सवाल उठना तो उसी समय प्रारंभ हो गए थे, जब उनका पहला मंत्री जेल में गया। उसके बाद तो जैसे लाइन ही लग गई। राजनीतिक शुचिता लाने का दम दिखाने वाले आम आदमी पार्टी के नेताओं पर इस प्रकार के आरोप लगने केवल राजनीतिक विद्वेष नहीं हो सकता। अगर यह कार्यवाही राजनीतिक होती तो स्वाभाविक रूप से इन सभी को जमानत भी मिल जाती। जमानत नहीं मिलने से यह आशंका प्रबल हो जाती है कि भ्रष्टाचार हुआ है। आम आदमी पार्टी के नेता भी केवल अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का ही विरोध कर रहे हैं, कोई भी यह नहीं कह रहा कि दिल्ली में शराब घोटाला नहीं हुआ या फिर गोवा के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार का पैसा नहीं लगाया। यह बात सही है कि राजनीतिक तौर पर तर्क तो कई दिए जा सकते हैं, लेकिन इन तर्कों का आधार क्या है? यह कोई नहीं बता पाता।

भारत की राजनीति में इसे विसंगति ही माना जाएगा कि कोई अपराधी और उसके समर्थक उसे ऐसे नायक के रूप में प्रस्तुत करते दिखाई देते हैं, जैसे वह समाज के लिए आदर्श बन गया हो। ऐसे तमाम उदाहरण दिए जा सकते हैं जिसमें नेता जमानत पर बाहर आकर राजनीतिक वातावरण को स्वच्छ करने की बात करते हैं। क्या वास्तव में ऐसे राजनेता देश के राजनीतिक वातावरण को सकारात्मक दिशा देने का सामर्थ्य रखते हैं। कदाचित नहीं। क्योंकि आज के राजनीतिक माहौल में राजनेता जैसा अपने आपको दिखाने का प्रयास करते हैं, वैसा सिद्धांतत: होता नहीं है। उनके क्रियाकलाप केवल और केवल भ्रमित करने वाली राजनीति करने की ही होती है। देश में एक समय यह आम धारणा बन चुकी थी कि राजनीतिक भ्रष्टाचार इस देश की नियति बन चुकी है, लेकिन पिछले दस साल में इस धारणा को बदलने की सुगबुगाहट भी सुनाई देने लगी है। यह सुगबुगाहट कई राजनीतिक दलों को पसंद नहीं आ रही। ऐसे कई राजनेता हैं जो भ्रष्टाचार के दोषी सिद्ध हो चुके हैं और देश की राजनीति को सुधारने की कवायद कर रहे हैं। अब सवाल यह भी आता है कि क्या बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने की बात करने का साहस दिखा सकते हैं। इसका उत्तर नहीं ही होगा, लेकिन वे फिर राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। भारत में साफ सुथरी राजनीति के क्या यही मायने हैं? क्या ऐसे नेता राजनीति को सही दिशा दे सकते हैं, इसका उत्तर हमें स्वयं तलाश करना होगा? ऐसे ही दिल्ली सरकार के घोटाला में होता हुआ लग रहा है। क्योंकि यह स्पष्ट रूप से कहा जा रहा कि गोवा में 45 करोड़ रुपए हवाला के माध्यम से दिए गए। ऐसे में सवाल यही है कि क्या यही साफ सुथरी राजनीति के मायने हैं? तर्क कुछ भी हों, परन्तु अब ऐसी राजनीति से देश को अलग करने का समय आ गया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-45)

गतांक से आगे...

भोगेच्छा ही बन्धन कही गयी है और उसका परित्याग ही मोक्ष कहलाता है। मन की प्रगति का कारण उसका नष्ट होना है। मन का नाश सौभाग्यवान् पुरुषों की पहचान है। ज्ञानी पुरुषों के मन का नाश हो जाता है। अज्ञानी के लिए मन बन्धन का कारण है। ज्ञानी पुरुषों के लिए मन न तो आनन्द रूप है और न ही आनन्दरहित है। उनके लिए वह चल, अचल, स्थिर, सत, असत् भी नहीं है अथवा इसके मध्य की स्थिति वाला भी नहीं है। अखण्ड चेतनसत्ता सर्वव्यापक होते हुए भी उसी प्रकार दृष्टिगोचर नहीं होती, जिस प्रकार चित्त में आलोकित होने वाला आकाश सूक्ष्मता के कारण दिखाई नहीं देता।

सभी संज्ञाओं से रहित और संकल्पों से रहित यह चिदात्मा अविनाशी तथा स्वात्मा आदि नामों से जाना जाता है। वह समस्त निर्मल संसार के रूप में एकमात्र स्वयं को ही दर्शाता है। ज्ञानियों की दृष्टि में वह आकाश से भी सौ गुना स्वच्छ, निर्मल तथा निष्कलरूप है। वह चेतनसत्ता न तो कभी उदय होती है और न ही अस्त होती है, वह गमन-आगमन से रहित, न उठती और न स्थिर बैठी ही रहती है। वह न तो यहाँ और न ही वहाँ ही है।

वह चिदात्मा आश्रयहीन, विकल्परहित और शुद्धस्वरूप है। प्रारम्भ में शम-दम आदि गुणों द्वारा शिष्य के अन्त: का परिष्कार करना गुरु के लिए आवश्यक है, तत्पश्चात् उसे बोधस्वरूप यह ब्रह्मज्ञान प्रदान करे-यह सभी कुछ ब्रह्मरूप है और तुम निर्मल ब्रह्मरूप हो। अपरिपक्व बुद्धिवाले और अज्ञानी के समक्ष सब कुछ ब्रह्ममय है, ऐसा कहना उसे मानो घोर नरक में धकेलने की तरह है। [ऋषि कहते हैं कि प्रारम्भ में शिष्य-साधक को अभेद का उपदेश नहीं करना चाहिए। इसे पहले वाञ्छित- अवांञ्छित का भेद बताकर शम-दम आदि द्वारा चित्त शुद्धि करानी चाहिए।

क्रमश: ...

भारत के प्रथम फील्ड मार्शल जनरल एस. एच. एफ. जे. मानेकशॉ

आज ही के दिन 3 अप्रैल 1914 को देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ का जन्म अमृतसर में हुआ था। भारतीय इतिहास में फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के नाम कई उपलब्धियां हैं। फिर चाहें 1971 की जंग में पाकिस्तान को हराकर नया मुल्क बांग्लादेश बनाने की हो या पाक के 90 हजार सैनिकों को बंदी बनाने की घटना हो। उनके नेतृत्व में भारत ने जंग जीती।

उनकी अगुआई में भारत ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 3 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने भारत पर हमला कर दिया। भारत ने पाकिस्तानी हमले का ऐसा जवाब दिया कि 13 दिनों में ही पाकिस्तानी सेना ने हथियार डाल दिए और पाकिस्तान के 90 हजार से भी ज्यादा सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया। माना जाता है कि यह किसी युद्ध में हथियार डालने वाले सैनिकों की सबसे बड़ी संख्या है। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान को भारी क्षति उठानी पड़ी और एक नए देश बांग्लादेश का जन्म हुआ। भारतीय सेना की इस यादगार विजय का श्रेय सैम मानेकशॉ को जाता है।

वो अपने दौर के ऐसे भारतीय आर्मी चीफ थे, जो तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की बात काटने से भी नहीं चूके। 2 जनवरी 1973 का दिन उनके लिए खास रहा। इसी दिन जनरल एस.एच.एफ.जे. मानेकशॉ को फील्ड मार्शल के रूप में पदोन्नत किया गया।

मानेकशॉ ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि एक समय ऐसा भी था जब पूर्वी पाकिस्तान के हालात बिगड़ रहे थे। इंदिरा गांधी काफी परेशान हो गई थीं। पाकिस्तान से भारत की ओर शरणार्थी आ रहे थे। इससे निपटने के लिए इंदिरा गांधी ने आपात बैठक बुलाई और पूरी बात सामने रखी। उस मीटिंग में सैम भी थे।

समस्या को हल करने के लिए इंदिरा गांधी ने भारतीय आर्मी को दखल देने की बात कही। तुरंत मानेकशॉ ने उनका विरोध करते हुए कहा कि हमारी आर्मी इसके लिए तैयार नहीं है। अगर जंग होती है तो बहुत बड़ा नुकसान होगा। हमें तैयारी का मौका दें। जब जंग की स्थिति बनेगी वो बता देंगे। मानेकशॉ के तेवर को देखने के बाद इंदिरा गांधी चुप हो गई थीं। यह उस दौर की बात है जब इंदिरा गांधी के सामने लोगों को आवाज उठाने की हिम्मत तक नहीं थी। आखिर में ये जंग अप्रैल के बजाय दिसंबर में हुई और भारत ने जीत हासिल की।

गोरखा रेजीमेंट से आने वाले सैम मानेकशॉ भारतीय आर्मी के 8वें चीफ थे। उन्हें पूरे भारत से प्यार मिला। वो पारसी थे, इसलिए पारसी समुदाय के लोग उन्हें 'आपरो सैम' कहते थे। गोरखा और भारतीय जवान उन्हें 'सैम बहादुर' कहकर बुलाते थे। वहीं, अमृतसर में जन्म होने के कारण सिख उनसे खास लगाव रखते थे। रिटायरमेंट के बाद उन्होंने नीलगिरीज को अपना घर बना लिया इस तरह वो तमिल लोगों के भी प्रिय हो गए।

27 जून 2008 को तमिलनाडु के वेलिंगटन में सैन्य अस्पताल में निमोनिया की जटिलताओं के कारण 94 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई।

इंदिरा ने गिफ्ट में दे दी श्रीलंका को जमीन

अभिनय आकाश

महान दार्शनिक लुडविग विट्गेन्स्टाइन ने भाषा को लेकर एक थ्योरी दी थी। भाषा वो है जो शब्दों के माध्यम से आपके मन में तस्वीर बनाती है। इसलिए ऐसे शब्द जो आपके मन में तस्वीर बना सके सबसे अधिक उपयोगी होते हैं। हिंदी का एक शब्द जलडमरूमध्य है, जल यानी पानी, मध्य यानी बीच में और डमरु का मतलब तो हम सब जानते ही हैं। इस शब्द से आपके मन में एक तस्वीर बन जाएगी पानी के बीच में डमरू। कितना सरल से है। अब ज्यादा पहेलियां ना बुझाते हुए मुद्दे पर आते हैं। दरअसल, आज इस विश्लेषण का संबंध एक जलडमरूमध्य से है। जो हिन्द महासागर में भारत के दक्षिणी छोड़ और पड़ोसी देश श्रीलंका के बीच बनता है। इसका नाम पाक जलडमरूमध्य है। पानी के रास्ते पड़ बहुत द्वीप पड़ते हैं। इनमें से एक का नाम कच्चतीवु द्वीप है। इस द्वीप पर कोई रहता नहीं है और साफ पानी मुश्किल से मिलता है। अक्सर मछुआरे यहां अपना जाल सुखाने आदि के लिए रुकते हैं। वीरान सा दिखने वाला ये द्वीप भारत और श्रीलंका के बीच एक लंबे विवाद का कारण रहा है। श्रीलंका इसे अपना बताता है और साल 1974 की संधि की दुहाई देता है। दावा है कि इस संधि के जरिए इंदिरा गांधी की सरकार ने कच्चतीवु श्रीलंका को तोहफे में दे दिया था। क्या है कच्चतीवु द्वीप की कहानी एयर 1974 में हुई संधि का किस्सा सब विस्तार से आपको बताते हैं।

कच्चाथीवू द्वीप पाक जलडमरूमध्य में एक छोटा सा निर्जन द्वीप है, जो बंगाल की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। यह श्रीलंका और भारत के बीच एक विवादित क्षेत्र है, जिस पर 1976 तक भारत दावा करता था और वर्तमान में इसका प्रबंधन श्रीलंका द्वारा किया जाता है।

कच्चाथीवू द्वीप का निर्माण 14वीं शताब्दी में ज्वालामुखी विस्फोट के कारण हुआ था। रामनाड

(वर्तमान रामनाथपुरम, तमिलनाडु) के राजा के पास कच्चातिवु द्वीप था और यह बाद में मद्रास प्रेसीडेंसी का हिस्सा बन गया। 1921 में श्रीलंका और भारत दोनों ने मछली पकड़ने के लिए भूमि के इस टुकड़े पर दावा किया और विवाद अनसुलझा रहा। ब्रिटिश शासन के दौरान 285 एकड़ भूमि का प्रशासन भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता था।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ प्रमुख मुद्दों को उठाने के लिए कहा, जिसमें कच्चाथीवू द्वीप का मामला, श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा भारतीय मछुआरों की हिरासत और तमिलों की आकांक्षाएं शामिल हैं। कच्चाथीवु को पुन: प्राप्त करने की मांग का हवाला देते हुए, स्टालिन के पत्र में कहा गया कि यह द्वीप ऐतिहासिक रूप से भारत का हिस्सा रहा है, और तमिलनाडु के मछुआरे पारंपरिक रूप से इस द्वीप के आसपास के पानी में मछली पकड़ते रहे हैं।

दोनों देशों के मछुआरे बहुत लंबे समय से बिना किसी विवाद के एक-दूसरे के जलक्षेत्र में मछली पकड़ रहे हैं। यह मुद्दा तब उभरा जब भारत-श्रीलंका ने समुद्री सीमा समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौतों ने भारत और श्रीलंका की अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा को चिह्नित किया। समझौते का उद्देश्य पाक जलडमरूमध्य में संसाधन प्रबंधन और कानून प्रवर्तन को सुविधाजनक बनाना है। अब, भारतीय मछुआरों को केवल आराम करने, जाल सुखाने और वार्षिक सेंट एंथोनी उत्सव के लिए द्वीप का उपयोग करने की अनुमति थी। उन्हें मछली पकड़ने के लिए द्वीप का उपयोग करने की अनुमति नहीं है। अगले कुछ दशक अच्छे बीते लेकिन समस्या तब गंभीर हो गई जब भारतीय महाद्वीपीय शेल्फ में मछली और जलीय जीवन समाप्त हो गया, जिसके परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में भारतीय मछुआरों की संख्या में वृद्धि हुई। वे आधुनिक मछली पकड़ने वाली ट्रॉलियों का भी उपयोग कर रहे हैं जो समुद्री जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं।

पिछले साल अगस्त के महीने में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कच्चाथीवू द्वीप का जिक्र किया था। उन्होंने पूछा कि क्या वो मां भारती का अंग नहीं थाँ? इसको भी आपने तोड़ा। उस समय श्रीमती इंदिरा गांधी का शासन था। कांग्रेस का इतिहास मां भारती को छिन्न-भिन्न करने का रहा है।

रविवार को पीएम मोदी ने कच्चाथीवू द्वीप विवाद को उठाया जब उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि नए तथ्यों से पता चलता है कि कैसे कांग्रेस ने बेरहमी से सकच्चथीवु को छोड़ दिया। इससे हर भारतीय नाराज है और लोगों के मन में यह बात बैठ गई है कि हम कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं कर सकते! भारत की एकता, अखंडता और हितों को कमजोर करना 75 वर्षों से कांग्रेस का काम करने का तरीका रहा है। उनकी टिप्पणी तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई के एक आरटीआई जवाब के आधार पर आई है। भाजपा नेता ने द्वीप को सौंपने के इंदिरा गांधी के फैसले पर विवरण मांगा था। विशेष रूप से, यह पहली बार नहीं है कि मोदी ने इस मुद्दे को उठाया है। 2014 में भाजपा के प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार थे तब मोदी ने मछुआरों से वादा किया था कि अगर उन्हें वोट दिया गया, तो इस मुद्दे को स्थायी रूप से हल किया जाएगा।

पीएम मोदी द्वारा इस मुद्दे को उठाने के तुरंत बाद, कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम - दोनों राज्य में सहयोगी हैं - ने पीएम मोदी की टिप्पणियों के लिए उनकी आलोचना की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसे चुनाव से पहले पीएम मोदी की %हताशा% करार दिया. उन्होंने आगे 2015 के भूमि सीमा समझौते की ओर इशारा किया जिसके कारण 55 बांग्लादेशी एन्क्लेवों के लिए 111 भारतीय एन्क्लेवों की अदला-बदली हुई और याद दिलाया कि मोदी ने उस समय कहा था कि यह समझौता केवल भूमि के पुनर्गठन के बारे में नहीं है, यह दिलों के मिलन के बारे में है। तमिलनाडु में चुनाव की पूर्व संध्या पर आप इस संवेदनशील मुद्दे को उठा रहे हैं, लेकिन आपकी ही सरकार के अटॉर्नी जनरल, मुकुल रोहतगी ने 2014 में सुप्रीम कोर्ट को निम्नलिखित बताया= %1974 में एक समझौते के तहत कच्चातिवु श्रीलंका चला गया... आज इसे वापस कैसे लिया जा सकता है? यदि आप कच्चाथीवु को वापस चाहते हैं, तो आपको इसे वापस पाने के लिए युद्ध में जाना होगा। पीएम के आरोपों का डीएमके ने भी जवाब दिया। पार्टी के प्रवक्ता मनुराज एस ने हिंदुस्तान टाइम्स के हवाले से कहा कि चौंकाने वाली बात है कि प्रधानमंत्री की आंखें उनकी पार्टी के व्यक्ति द्वारा दायर एक आरटीआई क्वेरी और एक मुद्दे पर उनकी सरकार द्वारा प्रदान की गई जानकारी पर आधारित एक समाचार लेख द्वारा खोली गई हैं। वह लगभग 50 वर्ष पुराना है!

आज का इतिहास

1949 अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा ने उत्तरी अटलांटिक संधि पर हस्ताक्षर किए।
1961 50 वर्ष से अधिक समय से विलुप्त हो रहे एक व्यक्तिगत लीडबीटर के कब्जे की खोज न्यू साउथ वेल्स, ऑस्ट्रेलिया में की गई थी।
1971 जापानी टोकनसत्सु टेलीविजन श्रृंखला कामेन राइडर का प्रीमियर हुआ, जो लंबे समय से चल रहे कामेन राइडर मताधिकार की शुरुआत थी।
1973 न्यूयॉर्क शहर की एक सड़क पर, मोटोरोला के शोधकर्ता मार्टिन कोपरमेड ने एक हाथ में मोबाइल फोन पर पहली सार्वजनिक कॉल की।
1981 ओसबोर्न 1 , पहला सफल पोर्टेबल कंप्यूटर, सैनफ्रांसिस्को के वेस्ट कोस्ट कंप्यूटर फेयर में अनावरण किया गया था।
1987 अटलांटिक सिटी के न्यू जर्सी में शोबोट कैसीनो होटल की स्थापना की गयी।
1996 एक अमेरिकी वायु सेना CT-43 डबरोवनिक, क्रोएशिया में डबरोवनिक हवाई अड्डे के लिए एक उपकरण दृष्टिकोण का प्रयास करते समय एक पहाड़ी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे वाणिज्य सचिव रॉन ब्राउन और अन्य 34 लोग मारे गए।
1997 ड्रीम जॉनी मर्सर रिकॉर्ड के लिए रोयाल न्यूयॉर्क शहर में खोला गया, अर्थात 71-1।
2006 नेपाल में माओवादियों ने संघर्षविराम की घोषणा की।
2007 टेक्सास के कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने लैटर डे सेंट्स के YFZ Ranch के यीशु मसीह के फंडामेंटलिस्ट चर्च पर छापा मारा, अंतत: 533 महिलाओं और बच्चों को परिसर से हटा दिया।
2010 चीन के शांक्सी में बचाव दल ने 153 से अधिक श्रमिकों की मदद के लिए बाढ़ की खान में प्रवेश किया।
2012 रूस की राजधानी मास्को में भीषण आग में 17 प्रवासी श्रमिकों की मौत।
2012 समाचार अंतरराष्ट्रीय फोन हैकिंग कांड के बाद जेम्स, मर्डॉक ने बीएसकेवाईबी के अध्यक्ष के रूप में इस्तीफा दे दिया।
2013 अर्जेंटीना में आयी भीषण बाढ़ से 50 से अधिक लोगों की मौत।
2013 अमेरिकी टीवी नेटवर्क एनबीसी ने जे लेनो की घोषणा की, द टुनाइट शो के मेजबान 2014 के वसंत में निकलेंगे, और उनकी जगह कॉमेडियन जिमी फॉलन लेंगे।

जेल से सरकार, किसे राजनीतिक नफा, किसे नुकसान

अजय सेतिया

पिछले साल फरवरी में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने तिहाड़ जेल में पहुंचते ही इस्तीफा दे दिया था। तब से आशंका व्यक्त की जा रही थी कि शराब घोटाले में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की भी गिरफ्तारी होगी। कम से कम अरविन्द केजरीवाल को तो आशंका थी ही, इसलिए उन्होंने खुद कहा था कि अगर उन्हें गिरफ्तार किया गया, तो वह इस्तीफा नहीं देंगे, बल्कि जेल से ही सरकार चलाएंगे। जेल से सरकार चलाने का जनादेश लेने के लिए आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में कुछ घरों में जाकर लोगों से पूछा था कि अगर केजरीवाल को गिरफ्तार किया जाता है, तो उन्हें जेल से ही सरकार चलानी चाहिए या इस्तीफा दे देना चाहिए।

बाद में आम आदमी पार्टी ने दावा किया था कि 98 प्रतिशत जनता ने कहा है कि अगर केजरीवाल को गिरफ्तार किया जाता है, तो वह जेल से ही सरकार चलाएं। ईडी ने 21 मार्च को केजरीवाल को हिरासत में लिया था, वह तब से ईडी के रिमांड पर चल रहे थे। लेकिन रिमांड खत्म होने के बाद अब उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया गया है। इससे पहले रिमांड के दौरान भी किसी के मुख्यमंत्री बने रहने का कोई उदाहरण मौजूद नहीं था, लेकिन अब तो केजरीवाल को बाकायदा जेल भेज दिया गया है। वह पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं, जो पद पर रहते हुए जेल में प्रवेश कर रहे हैं। अभी तक लालू यादव और जे. जयललिता के दो उदाहरण दिए जाते थे, जिन्होंने जेल में जाने से पहले इस्तीफा दे दिया था। हालांकि इन दोनों से पहले 1982 में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ए.आर. अंतुले को भ्रष्टाचार के मामले में जेल जाने से पहले इस्तीफा देना पड़ा था। हालांकि बाद में उसी केस में वह सुप्रीमकोर्ट से बरी हो गए थे। उमा भारती ने तो सिर्फ कोर्ट का सम्मन आने पर इस्तीफा दे दिया था। मदन लाल खुराना ने सिर्फ आरोप लगने पर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। अब उस लिस्ट में हेमंत सोरेन का नाम भी जुड़ गया है।

केजरीवाल के वकीलों और खुद केजरीवाल को भी नहीं लगता कि उन्हें जल्दी जमानत मिलेगी, इसलिए उन्होंने जेल में पढ़ने के लिए तीन किताबों की मांग की। अरविन्द केजरीवाल की तरफ से दलील दी जा रही है कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि जेल जाने पर उन्हें इस्तीफा देना पड़ेगा। वह ठीक कह रहे हैं, संविधान में ऐसा बिलकुल नहीं लिखा। संविधान सभा के 389 सदस्यों की नैतिकता का स्तर इतना ऊंचा था कि किसी एक ने भी इस मुद्दे पर सोचा ही नहीं कि भविष्य में ऐसी नौबत आ सकती है। लेकिन जो बात संविधान में नहीं लिखी हो उस पर सुप्रीमकोर्ट का फैसला ही परंपरा बनता है, और उसे ही क़ानून भी माना जाता है। इस संबंध में सुप्रीमकोर्ट का एक फैसला पहले से मौजूद है, इसलिए 28 मार्च को जब हाईकोर्ट ने केजरीवाल को हटाने बारे में पीआईएल नामंजूर की, तो आश्चर्य हुआ। इसलिए यह मामला नए सिरे से हाईकोर्ट के सामने आया हुआ है। पहली बार याचिका अस्वीकार करते हुए कोर्ट ने कहा था कि अगर कोई संवैधानिक संकट है, तो उस पर उपराज्यपाल या राष्ट्रपति को फैसला करना है।

अब नई याचिका में कहा गया है कि कोर्ट उपराज्यपाल को आदेश दें कि वह केजरीवाल को बर्खास्त करें। लेकिन लगता नहीं कि हाईकोर्ट इसमें दखल देगा। संभावना यही है कि हाईकोर्ट इस संबंध में यह मामला उपराज्यपाल और राष्ट्रपति पर ही छोड़ने की बात कहेगी। निश्चित है यह मामला भी सुप्रीमकोर्ट में जाएगा। यहाँ महत्वपूर्ण यह है कि सुप्रीमकोर्ट का पहले का एक फैसला केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद पर रहने की इजाजत नहीं देता। जे. जयललिता दो बार जेल गई

थी, पहले 2001 में और दूसरी बार 2011 में। उन्होंने दोनों ही बार इस्तीफा दे दिया था। लेकिन जयललिता के इस्तीफे से पहले तमिलनाडु सरकार का एडवोकेट जनरल सुप्रीमकोर्ट पहुंचा था और सुप्रीमकोर्ट में कहा कि उनके पास जनता का जनादेश है। तमिलनाडु की सरकार जयललिता को ही मुख्यमंत्री देखना चाहती हैं और लोकतंत्र में जनादेश का सम्मान होना चाहिए। बिलकुल वैसे ही जैसे केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के सभी नेता कह रहे हैं। लेकिन तब सुप्रीमकोर्ट ने कहा था कि सरकार संविधान के अंतर्गत बनती है। सम्मान संविधान का होता है, संविधान के कारण ही जनादेश मिला है। जनादेश के आधार पर किसी अपराधी या आरोपी को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बिठाया जा सकता। इसलिए जो कुछ भी होगा, वह संविधान के माध्यम से होगा और संविधान इजाजत नहीं देता है कि जेल के अंदर से सरकार चलाई जाए।

सुप्रीमकोर्ट का एक और जजमेंट है – आर. एस. नायक बनाम ए.आर. अंतुले। इस मामले में अपने फैसले में सुप्रीमकोर्ट ने कहा था कि मुख्यमंत्री पब्लिक सर्वेंट होता है। क्योंकि वह पब्लिक सर्वेंट होता है, इसलिए उस पर पब्लिक सर्वेंट के सारे नियम लागू होंगे।

अब अगर कोई भी पब्लिक सर्वेंट 48 घंटे से ज्यादा जेल में रहता है, तो उसे निलंबित कर दिया जाता है। फिर कोई मुख्यमंत्री जेल में रहते हुए पद पर कैसे रह सकता है। संविधान के मुताबिक़ मुख्यमंत्री और मंत्री राज्यपाल या उपराज्यपाल के अधीन अधिकारी हैं। बस उन का चयन यूपीएससी के बजाए एक निश्चित अवधि के लिए जनता करती है (पांच साल या जब तक सरकार को सदन में बहुमत हासिल है)।

संविधान के मुताबिक़ मुख्यमंत्री की रहनुमाई में केबिनेट राज्यपाल या उपराज्यपाल को सलाह देने का काम करती है। केबिनेट से पास हुए बिना सरकार का कोई भी प्रस्ताव कानूनी तौर पर मान्य नहीं होता। इस संबंध में आपातकाल का उदाहरण मौजूद है। इंदिरा गांधी ने केबिनेट से पास करवाने से पहले ही आपातकाल पर राष्ट्रपति के दस्तखत करवा लिए थे, बाद में सुप्रीमकोर्ट ने इसे गलत ठहराया था।

जेल मेन्यूल के मुताबिक़ जेल में केबिनेट मीटिंग हो नहीं सकती। इस लिए उपराज्यपाल ऐसी सरकार का क्या करेंगे, जो कोई सलाह देने में सक्षम ही नहीं है। केजरीवाल जब तक ईडी की हिरासत में थे, तब तक तो ठीक था, लेकिन रिमांड खत्म होने के बाद अब अगर आजकल में केजरीवाल को जमानत नहीं मिलती, और उन्हें तिहाड़ जेल में ही रहना पड़ता है, तो सरकार ठप्प पड जाएगी।

संवैधानिक संकट अब शुरू हुआ है। उप राज्यपाल पहले ही कह चुके हैं कि वह जेल से सरकार नहीं चलने देंगे। दिल्ली हाईकोर्ट पहले ही कह चुकी है कि संवैधानिक संकट का समाधान उप राज्यपाल या राष्ट्रपति को निकालना है। सवाल यह है कि क्या उपराज्यपाल किसी अन्य मंत्री को मुख्यमंत्री नियुक्त करके नई सरकार बनाने को कह सकते हैं। जैसे तमिलनाडु के मामले में सुप्रीमकोर्ट ने कहा था।

इसका फैसला आम आदमी पार्टी नहीं करेगी, फैसला उपराज्यपाल करेंगे या सुप्रीमकोर्ट करेगा। उपराज्यपाल यानी मोदी सरकार। पहली जिम्मेदारी मोदी सरकार की ही है। दिल्ली सरकार के बारे में मोदी सरकार जो भी फैसला करेगी, उसका चुनावी राजनीति पर असर पड़ेगा। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावों के समय केजरीवाल की गिरफ्तारी और उनकी सरकार का बर्खास्त किया जाना भारतीय जनता पार्टी को महंगा पड़ सकता है। जबकि दूसरी तरफ मोदी सरकार ने चुनावों की घोषणा के बाद ईडी को केजरीवाल की गिरफ्तारी की हरी झंडी भी तो कुछ सोच समझ कर दी होगी। भारतीय जनता पार्टी में भी इसे लेकर मतभेद हैं। भाजपा के कुछ नेताओं का मानना है कि गिरफ्तारी गलत समय पर की गई है, चुनावों के दौरान गिरफ्तारी करने की बजाए गिरफ्तारी की तलवार लटकाए रखी जानी चाहिए थी।

जिनका यह तर्क है, वे अपने तर्क के समर्थन में 2013 का उदाहरण देते हैं, जब केजरीवाल के इस्तीफे के एक साल बाद तक मोदी सरकार ने दिल्ली विधानसभा के चुनाव नहीं करवा कर केजरीवाल को और मजबूत होने का मौक़ा दे दिया था। जबकि जोड़तोड़ से भाजपा तभी सरकार बना लेती, या विधानसभा भंग करके तभी चुनाव करवा लेती तो शायद आज यह नौबत ही नहीं आती। दूसरी तरफ एक वर्ग का तर्क यह भी है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी मोदी की भ्रष्टाचार खत्म करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसका चुनावों में भाजपा को फायदा होगा।

छोटे दल निभाएंगे बड़ी चुनावी भूमिका

राजकुमार सिंह

केंद्रीय सत्ता के लिए हो रहे लोकसभा चुनाव में छोटे और क्षेत्रीय दल ज्यादा बड़ी भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। चुनाव से पहले जिस तरह सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने छोटे-छोटे दलों को इकट्ठा कर व्यापक गठबंधन बनाए, वह तो इन दलों के महत्व का प्रमाण है ही, चुनावी मुकाबले में भी ये दल बड़ी भूमिका निभाते दिख रहे हैं। खासकर सत्तारूढ़ दल भाजपा और उसके नेतृत्व वाले एनडीए की बात करें तो कड़ी चुनौती ये दल ही पेश करेंगे। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल भी है, लेकिन जमीनी राजनीतिक हकीकत अलग है। 2014 के लोकसभा चुनाव में मात्र 44 और फिर 2019 के चुनाव में 52 सीटों पर सिमट गई कांग्रेस बमुश्किल दर्जन भर राज्यों में ही अपने दम पर चुनाव लड़ने की हालत में है। जीत की संभावना उनमें से भी आधे से कम राज्यों में है। फिलहाल कांग्रेस की सिर्फ तीन राज्यों- हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में सरकार है। इसके अलावा वह तमिलनाडु और झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। ऐसे में अपने लिए 370 और एनडीए के लिए 400 लोकसभा सीटों का नारा दे रही भाजपा को चुनौती दे पाना कांग्रेस के वश की बात नहीं लगती। कर्नाटक और तेलंगाना में अब कांग्रेस की सरकार होने के चलते समीकरण बदल सकते हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत की 'हैट्रिक' रोकने की जिम्मेदारी मुख्यतः छोटे और क्षेत्रीय दलों पर होगी। दिल्ली की सात लोकसभा सीटों पर आप और कांग्रेस मिल कर भाजपा की जीत की 'हैट्रिक' रोकने की कोशिश करेंगे, लेकिन उसी मकसद के साथ पंजाब में दोनों अलग-अलग लड़ेंगे. जाहिर है, दिल्ली के अलावा गुजरात और गोवा में भी भाजपा का ग्राफ नीचे लाने की कवायद में आप की भूमिका महत्वपूर्ण होनेवाली है। राष्ट्रीय दल का दर्जा मिल जाने के बावजूद आप है तो छोटा दल ही, जिसके एकमात्र लोकसभा सांसद ने भी कमल थाम लिया। आप से आगे चलें तो लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला क्षेत्रीय दलों पर ही निर्भर करेगा। 80 लोकसभा सीटोंवाला उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। भाजपा पिछली बार वहां से अकेले 62 और सहयोगियों के साथ 64 सीटें जीतने में सफल रही थी। तब सपा-बसपा-आरएलडी गठबंधन था और उसने 15 सीटें जीती थीं। इस बार सपा-कांग्रेस गठबंधन है। सपा 63 और कांग्रेस 17 सीटों पर लड़ रही है। बड़ा सवाल यही है कि क्या यह गठबंधन भाजपा को पिछली जितनी सीटों पर भी रोक पाएगा? इसका जवाब भी मुख्य रूप से सपा पर निर्भर करेगा। अतीत का अनुभव बताता है कि कांग्रेस के मुकाबले क्षेत्रीय और छोटे दल भाजपा को ज्यादा जोरदार टक्कर देते रहे हैं। छोटे दलों की बड़ी चुनौती से भाजपा कैसे पार पाएगी- 'हैट्रिक' उस पर ज्यादा निर्भर करेगी।

पाला बदलती पॉलिटिक्स का साक्षी बन गया रामलीला मैदान

संजय तिवारी

रामलीला मैदान से ही आज से बारह साल पहले अरविन्द केजरीवाल के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन में लगभग पूरा विपक्ष प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कांग्रेस के खिलाफ लामबंद हुआ था। लेकिन वही रामलीला मैदान महज 12 साल में ही करवट लेती राजनीति का साक्षी बन गया। बहुत कम लोगों को याद होगा कि अप्रैल 2011 में अन्ना आंदोलन शुरु होने से पहले फरवरी 2011 में रामलीला मैदान में एक छोटी सी रैली हुई थी। इस रैली का संयोजन अरविन्द केजरीवाल ने किया था जो उन दिनों भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के संयोजक थे। फरवरी वाली रैली में राजनीतिक दलों से बुलाये तो बहुत लोग गये थे लेकिन आये बहुत कम लोग थे। फिर भी कमोबेश हर दल से कोई न कोई वहां आया था। स्वर्गीय राम जेठमलानी से लेकर अन्ना हजारे तक। यही वह मंच था जिस पर अन्ना हजारे ने ऐलान किया था कि कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ 5 अप्रैल (2012) से वो जंतर मंतर पर अनशन करेंगे। उन्होंने अनशन किया और वह कैसे एक विशाल आंदोलन में बदल गया इसे सबने देखा सुना है। जंतर मंतर की भीड़ बढ़ी तो अन्ना खुद रामलीला मैदान आ गये और करीब आठ दस महीने यह आंदोलन नये नये कलेवर धारण करता रहा। इसी आंदोलन में स्वामी रामदेव शामिल हुए और इसी आंदोलन से अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ।

लेकिन कहते हैं कि जीवन में हर 12 वें साल में समयचक्र बदल जाता है। व्यक्ति की अवस्था, उसकी सोच, उसके शरीर सबमें परिवर्तन आ जाता है। शायद राजनीतिक जीवन में भी आ जाता होगा, शायद इसीलिए जिन केजरीवाल ने कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ इतना बड़ा आंदोलन खड़ा किया था, आज राजनीति के मैदान में दोनों साथ खड़े हैं। यह समय चक्र में आये परिवर्तन की ही मिसाल है कि रविवार 31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में लगभग समूचा विपक्ष अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में उनसे राजनीतिक सहानुभूति दिखाने पहुंचा था। उस समय जिन नरेन्द्र मोदी ने केजरीवाल के भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम का सबसे अधिक

राजनीतिक लाभ लिया, आज उन्हीं नरेन्द्र मोदी के खिलाफ उसी रामलीला मैदान में लगभग समूचा विपक्ष लामबंद खड़ा हो गया।

कांग्रेस से लेकर तृणमूल कांग्रेस तक, समाजवादी पार्टी से लेकर राष्ट्रीय जनता दल तक, कम्युनिस्ट पार्टियों से लेकर उद्धव ठाकरे की शिवसेना तक सब एक सुर में मोदी के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान को %राजनीतिक दमन% बता रहे हैं। इनमें से कांग्रेस को छोड़कर अधिकांश वो लोग हैं जो 12 साल पहले केजरीवाल के आंदोलन का इसलिए समर्थन कर रहे थे क्योंकि आंदोलन कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ था। लेकिन आज वही लोग कांग्रेस के साथ खड़े हैं। उस समय भी मंच या मौका अरविन्द केजरीवाल ने ही मुहैया कराया था। इस बार भी मंच और मौका केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने ही मुहैया कराया है जिन्हें ईडी ने शराब घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया है।

हालांकि जिस समय विपक्ष के कई बड़े नेता रामलीला मैदान में नरेन्द्र मोदी को घेर रहे थे उसी समय दिल्ली से थोड़ी दूर मेरठ में मोदी अपनी कार्रवाई का बचाव कर रहे थे। मोदी का कहना है कि वो भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं तो विपक्षी नेता उनपर हमला कर रहे हैं। क्या वो कुछ गलत कर रहे हैं? असल में इस देश में भ्रष्टाचार सार्वजनिक जीवन का ऐसा शिष्टाचार है जिसे हर वो व्यक्ति करना चाहता है जिसे अपने अलावा बाकी सब भ्रष्टाचारी नजर आते हैं। राजनीति में वैसे भी नैतिकता के लिए कोई जगह बची नहीं है इसलिए हर राजनीतिज्ञ ये मान बैठा है कि अपने राजनीतिक खर्चों को पूरा करने के लिए अगर वह थोड़ा पैसा बना भी लेता है तो क्या गलत करता है?

कभी सार्वजनिक जीवन में नैतिकता के शिखर पर रही भारतीय राजनीति में यह उतार क्रमशः हुआ है। स्वतंत्रता के बाद जब देश के नेता, नौकरशाह और आम आदमी सबने मिलकर अपने भारत को गढ़ना शुरु किया था तब भी नेहरु सरकार पर जीप घोटाले का आरोप लग गया था। नेहरु सरकार पर आरोप लगा था कि उन्होंने सेना के लिए घटिया दर्जे की गाड़ियां खरीदीं। हालांकि संसाधनों की कमी से जूझ रहे भारत के लिए यह खर्चों में कटौती की बात भी हो सकती थी लेकिन स्वतंत्र भारत में इसे पहला घोटाला कहा गया।

इसके बाद इंदिरा गांधी सरकार हो या फिर राजीव गांधी सरकार। इन सरकारों पर घपले घोटालों के आरोप लगते रहे जो मनमोहन सिंह सरकार में आकर नई ऊंचाई को छू गये। कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला, कोयला घोटाला और 2टूजी स्पेक्ट्रम घोटाला इतना सिरे चढ़ा कि 2014 में कांग्रेस को ऐतिहासिक पराजय का सामना करना पड़ा। इस उतार चढ़ाव का गवाह दिल्ली का रामलीला मैदान हमेशा से बना रहा। कभी इसी मैदान में जय प्रकाश नारायण लोकतंत्र बचाने की आवाज उठाने के लिए आये थे जब इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगा दी थी। उसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी हों या वीपी सिंह, वे इंदिरा गांधी और राजीव गांधी सरकारों के खिलाफ आवाज उठाने इसी रामलीला मैदान आते रहे। यह खाली मैदान सबकी आवाजों का मूक साक्षी बना रहा।

लेकिन जैसा उलटफेर उसने बीते एक दशक में देखा है वैसा अपने इतिहास में कभी नहीं देखा। यह उलटफेर वैसा ही है जैसे इसी मैदान से जिस जेपी ने इंदिरा गांधी की इमरजेंसी के खिलाफ आवाज उठायी थी मानो वही इंदिरा गांधी के समर्थन में उतर आये हों। लोकतंत्र को बचाने की मुहिम हो या सरकारी व्यवस्था से भ्रष्टाचार को हटाने का अभियान। कम से कम इस एक बात पर सभी राजनीतिक दलों को एकराय होना पड़ेगा। अगर वो ऐसा करने में नाकाम रहते हैं तो उसी लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा हो जाएगा जिसकी बदौलत ये नेता ताकतवर हुए हैं।

कांग्रेस-बसपा के मुस्लिम प्रत्याशी भाजपा के लिये मौका

अजय कुमार

पश्चिमी उत्तर प्रदेश का जिला सहारनपुर में प्रथम चरण में मतदान होना है। मुस्लिम बाहुल्य यह सीट बीजेपी के लिये हमेशा चुनौती बनी रही है। यहां तक की 2019 में मोदी लहर के बावजूद यहां से बसपा प्रत्याशी हाजी फजलुर्रहमान 20 हजार वोट से विजय रहे थे। दुनिया भर में इस्लामी तालीम के लिए विख्यात दारुल उलूम संस्थान भी सहारनपुर के देवबंद कस्बे में स्थित है। सहारनपुर सीट पर पिछले चुनाव की बात करें तो बसपा प्रत्याशी हाजी फजुर्लरहमान ने बड़ी जीत दर्ज की थी। उस चुनाव में सपा-बसपा और कांग्रेस का गठबंधन था, ऐसे में विपक्षी गठबंधन के वे संयुक्त विजेता रहे थे। दूसरे नंबर पर बीजेपी के राघव लखनपाल शर्मा रहे थे, जिनके खाते में 4,91,722 वोट गए थे. उस चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार को 20 हजार वोटों से हार का सामना करना पड़ा था।

सहारनपुर लोकसभा के अंतर्गत पांच विधानसभा क्षेत्र आते हैं। 2022 में हुए विधानसभा चुनावों में तीन पर बीजेपी और दो सीटों पर समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की। बीजेपी के हिस्से में सहारनपुर नगर, देवबंद और रामपुर विधानसभा सीट आई, जबकि सहारनपुर देहात और बेहट विधानसभा सपा के हिस्से में आई। सहारनपुर सीट पर सबसे ज्यादा बार कांग्रेस की जीत हुई है। 1952 से लेकर 1971 तक कांग्रेस का ही इस सीट पर दबदबा रहा है। इस सीट से दो बार अजित प्रसाद और दो बार सुंदरलाल सांसद चुने गए। 1984 में भी कांग्रेस ने वापसी करते हुए इस सीट पर जीत दर्ज की थी। इसके बाद 2004 में सपा तो 2009 में बसपा ने यहां जीत का परचम लहराया था। 2014 की मोदी लहर में जरूर बीजेपी ने इस सीट को अपने नाम किया था। अब पिछले चुनाव में विपक्ष ने सहारनपुर से जीत दर्ज की थी।

सहारनपुर के जातीय समीकरण की बात करें तो यहां पर मुस्लिम समुदाय के ज्यादा लोग हैं, उनकी संख्या 35 फीसदी से ज्यादा है। इस सीट पर दलित फैक्टर भी मायने रखता है और उन पर बहुजन समाज

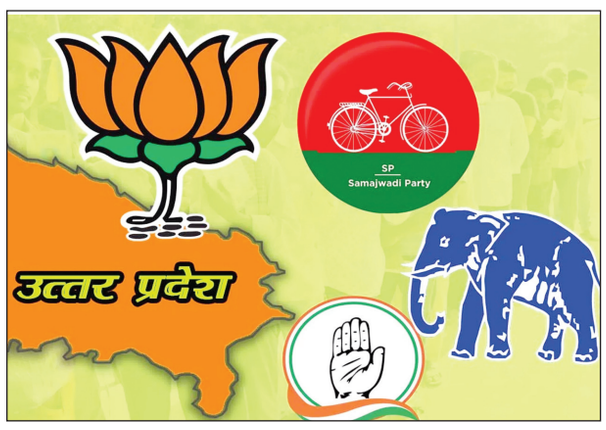

पार्टी की मजबूत पकड़ है, गुर्जर-सैनी जैसी जातियां भी निर्णायक भूमिका निभा जाती हैं। बसपा के संस्थापक कांशीराम 1998 के लोकसभा चुनाव में यहां से न केवल बीजेपी के नकली सिंह हार गए थे, बल्कि तीसरे नंबर पर चले गए थे। दूसरे नंबर पर कांग्रेस के रशीद मसूद थे। 1996 और फिर 1998 में बीजेपी से नकली सिंह सांसद बने थे। इसके बाद 2014 तक बीजेपी के लिए सूखा रहा। 2014 में हुए चुनाव में मोदी लहर में बीजेपी के राघव लखनपाल ने जीत हासिल कर सूखा खत्म किया था। इस बार भी बीजेपी ने राघव लखनपाल पर भरोसा जताया है।

सहारनपुर लोकसभा सीट पर 1952 में पहला लोकसभा चुनाव हुआ। 1952 में कांग्रेस के अजित प्रसाद जैन पहली बार सहारनपुर लोकसभा सीट से सांसद बने थे। उस समय हरिद्वार लोकसभा सीट भी सहारनपुर के अंतर्गत आती थी। हरिद्वार लोकसभा सीट से कांग्रेस के सुंदरलाल ने जीत हासिल की थी। 1962, 1967 और 1971 में भी कांग्रेस के सुंदरलाल सांसद बने। 1977 और 1980 में जनता पार्टी के रशीद मसूद विजेता रहे। 1984 में कांग्रेस ने एक बार फिर से बाजी मारी और यशपाल सिंह निर्वाचित हुए। 1989 और 1991 में जनता दल की तरफ से रशीद मसूद के सिर सांसद का ताज सजा। 1996 में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की तरफ से नकली सिंह ने बाजी मार ली, लेकिन बीच में ही सरकार गिर गई। 1998 में फिर से नकली सिंह सांसद बने। तब भी सरकार ज्यादा नहीं चली. 1999 में बसपा का पहली बार यहां पर खाता खुला। मंसूर अली खान सांसद बने। इसी तरह सपा की तरफ से 2004 में रशीद मसूद को सांसद चुना गया। 2009 में बसपा के जगदीश सिंह राणा, 2014 में भाजपा से राघव लखनपाल और 2019 में एक बार फिर से बसपा के हाजी फजलुर्रहमान सांसद बने।

भाजपा प्रत्याशी राघव लखनपाल शर्मा ने बताया कि वह इस चुनाव में ढाई से तीन लाख वोट से विजयी हो रहे है और कोई उनकी टक्कर में नहीं है। उधर कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद ने कहा कि इस समय लोकतंत्र की सीधे-सीधे हत्या हो रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल भेज दिया। ऐसी परिस्थितियों में जब देश का संविधान खतरे में हो तो हम लोग चुनाव में उतरें हैं और संविधान की रक्षा करें। वहीं उन्होंने इस चुनाव को इंडिया गठबंधन और एनडीए के बीच बताया। वहीं उन्होंने बसपा को एनडीए के साथ गठबंधन में बताया और बसपा बीजेपी को फायदा दे रही है। बसपा प्रत्याशी माजिद अली ने अपना मुकाबला बीजेपी से बताया। उन्होंने बताया कि 2019 गठबंधन में भी सपा के पास हमारा वोटबैंक था और उन्होंने सपा को इस दौड़ से बाहर बताया। सहारनपुर लोकसभा सीट पर कुल वोटर 18.50 लाख वोटर हैं जिसमें 9.77 लाख पुरूष और 8.72 लाख महिलाएं शामिल हैं। इस बार भी बीजेपी के लिये यहां चुनौती मजबूत हैं। यहां से इंडी गठबंधन के तहत कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद मैदान में है। उनको समाजवादी वोटर कितना का कितना साथ मिलता है, यह देखने वाली बात है। यहां बसपा और कांग्रेस दोंनो के मुस्लिम उम्मीदवार होने की वजह से मुस्लिम वोट बंटने की उम्मीद है जिसका फायदा भाजपा को मिल सकता है।

ईवीएम, मैच फिक्सिंग, देश में आग...क्या राहुल का बयान उन पर ही पड़ेगा भारी?

अंकित सिंह

लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार तेज हो गया है। ना-ना करते हुए भी विपक्षी दल एक मंच पर आ ही गए। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मेरठ से अपनी चुनावी सभाओं की शुरुआत कर दी। हालांकि, दिल्ली की रामलीला मैदान में जिस तरीके से विपक्षी गठबंधन दिखाई दिया, उससे यह साफ हो गया कि भले ही गठबंधन को लेकर कई जगह पेंच फंस रहा है लेकिन हम एक हैं और भाजपा से मिलकर चुनाव लड़ेंगे। लेकिन अपने संबोधन के दौरान राहुल गांधी ने जिस तरीके से ईवीएम और मैच फिक्सिंग का जिक्र किया और भाजपा पर निशाना साधा, उससे अब राजनीतिक तापमान बढ़ गया है। भाजपा भी लगातार राहुल गांधी पर उनके बयान को लेकर पलटवार कर रही है। इन सब के बीच राहुल गांधी के बयान को लेकर भाजपा ने चुनाव आयोग में शिकायत की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बड़ा आरोप लगाया और कहा कि पीएम आगामी आम चुनाव में मैच फिक्सिंग में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब अंपायरों पर दबाव डाला जाता है, खिलाड़ियों को खरीदा जाता है और कप्तानों को मैच जीतने की धमकी दी जाती है, तो इसे क्रिकेट में मैच फिक्सिंग कहा जाता है। हमारे सामने लोकसभा चुनाव हैं; अंपायरों का चयन पीएम मोदी ने किया। मैच से पहले हमारी टीम के दो खिलाड़ियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रधानमंत्री के %अबकी बार 400 पार% पर निशाना साधते हुए गांधी ने कहा कि भगवा पार्टी ईवीएम में गड़बड़ी किए बिना 180 सीटें भी पार नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि ईवीएम, मैच फिक्सिंग, सोशल मीडिया और प्रेस पर दबाव के बिना वे 180 से अधिक सीटें नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी ये तय चुनाव जीत जाती है और संविधान बदल देती है तो देश में आग लग जाएगी। यह याद रखना। नरेन्द्र मोदी के खिलाफ मैच फिक्सिंग के आरोप के लिये राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि अतीत में कांग्रेस सरकार ने पार्टी के प्रथम परिवार को लाभ पहुंचाने के लिये पड़ोसी देश श्रीलंका के साथ एक 'सौदा' करके कच्चातिवु द्वीप उसे सौंप दिया था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांधी के इस दावे को लेकर कांग्रेस की आलोचना की कि अगर भाजपा सत्ता में लौटी और संविधान बदला गया तो पूरे देश में आग लग जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाजनकारी राजनीतिक कांग्रेस के 'डीएनए' में है। पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 1947 में धर्म के आधार पर देश का विभाजन और जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से को पाकिस्तान के कब्जे में छोड़ने भी संकोच नहीं किया। इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश में राजनीतिक तापमान बढ़ने के साथ ही ईवीएम कटघरे में आ जाता है। लेकिन जिस तरीके से विपक्षी नेता अपने अभियान को धार देने की कोशिश कर रहे हैं इससे कहीं ऐसा ना हो कि उनका दांव उन्हीं पर उल्टा पड़ जाए। सवाल यह भी है कि जब आप चुनाव हार जाते हैं तो ईवीएम पर सवाल उठाते हैं लेकिन जब जीत जाते हैं तो आप कुछ नहीं बोलते। हाल में ही देखे तो राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस हार गई, ईवीएम पर उनकी ओर से सवाल उठाए जाने लगे, लेकिन तेलंगाना में कांग्रेस ने जबर्दस्त जीत हासिल की तो किसी ने कुछ नहीं बोला। वही लोकतंत्र को लेकर राहुल गांधी की ओर से जो दावा किया जाता है वह कहीं ना कहीं देश की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचा सकता है। एक जिम्मेदार नेता को हमेशा गंभीर बयान देने की आवश्यकता होती है।

मटके का पानी पीते समय भूलकर भी ना करें ये गलतियां, सेहत को हो सकते हैं ये बड़े नुकसान

गर्मियों में फ्रिज का ठंडा पानी पीने से सेहत को कई नुकसान हो सकते हैं, जिससे बचने के लिए लोग घड़े या सुराही में पानी भरकर पीते हैं। मटके में भरा हुआ पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा होने के साथ शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी को दूर करके पाचन को बेहतर बनाता है। इसके अलावा मटके का पानी पानी से गंदगी और टॉक्सिन्स निकालकर वॉटर प्योरिफायर की तरह भी काम करता है। सेहत के लिए मटके का पानी पीना बहुत फायदेमंद माना जाता है। बावजूद इसके कई बार लंबे समय तक मटका और सुराही में पानी भरकर पीते समय बरती गई कुछ लापरवाहियां इसे सेहत के लिए नुकसानदेह भी बना सकती हैं। आइए जानते हैं मटके का पानी पीते समय किन गलतियों को करने से बचना चाहिए।

मटके का पानी पीते समय ना करें ये गलतियां

पानी निकालने के लिए हैंडल वाले बर्तन का इस्तेमाल ना करना

कई बार लोग मटके से पानी निकालने के लिए गिलास या अन्य किसी बर्तन का इस्तेमाल करने लगते हैं। लेकिन ऐसा बिल्कुल ना करें। ऐसा करते समय कई बार हाथ या नाखूनों में जमा गंदगी पानी को गंदा और दूषित कर सकती है। जिससे सेहत से जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। ऐसे में हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि जब भी मटके से पानी निकालें तो हैंडल वाले साफ बर्तन का इस्तेमाल करें।

मटके में रोज नया पानी भरें

अक्सर मटके का पानी पीने वाले लोग पानी कम होते ही उसी में और पानी भर देते हैं। लेकिन ऐसा करने से बचना चाहिए। साफ पानी के लिए मटके की रोजाना सफाई भी बेहद जरूरी है। रोजाना मटके को साफ करने के बाद ही उसमें फ्रेश पानी भरना चाहिए। अगर मटके में कई दिन का पानी पड़ा रहता है तो उसमें हानिकारक बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जो पेट संबंधी समस्याओं, इंफेक्शन और टाइफाइड का कारण बन सकते हैं।

मटके पर लपेटा कपड़ा रोज धोएं-

गर्मियों में पानी को लंबे समय तक ठंडा बनाए रखने के लिए लोग मटके के चारों तरफ कपड़ा लपेटकर उसे खिड़की के पास रख देते हैं। इस कपड़े की रोजाना सफाई करना भी बहुत जरूरी है। ऐसा ना करने पर इस कपड़े में गंदगी जमा हो रहती है। जो फंगल और बैक्टीरियल इंफेक्शन जैसी समस्याओं का कारण बनती है। ऐसे में यह जरूर सुनिश्चित करें कि आप कपड़े को रोजाना साफ करें।

मटके को खुला न छोड़ें

मटके में पानी स्टोर करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि मटके को ढककर रखें। जितनी बार भी आप मटके से पानी निकालकर पिएं उसे ढकना न भूलें। ऐसा ना करने से मटके में धूल-मिट्टी,गंदगी के साथ कीड़े-मकोड़े भी घुसकर मटके के पानी को दूषित कर सकते हैं।

प्रिंट किए हुए मटके ना खरीदें

आजकल प्रिंट किए हुए मटके भी लोगों के बीच काफी पसंद किए जा रहे हैं। लेकिन इस तरह के मटके देखने में भले ही अट्रैक्टिव लगते हों लेकिन सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे मटके न लें जिसमें अंदर से कोटिंग की गई हो। हमेशा ट्रेडिशनल मटके ही बाजार से खरीदकर लाएं। घड़ा खरीदते समय ध्यान दें कि घड़ा चिकना नहीं होना चाहिए और उस पर किसी प्रकार की पॉलिश नहीं होनी चाहिए। चमक के लिए रंग या वार्निश का प्रयोग किया जाता है, जो सेहत के लिए नुकसान पहुंचा सकता है।

क्या आप प्रेशर कुकर इस्तेमाल करने का सही तरीका जानती हैं?

प्रेशर कुकर हमारी रसोई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे खाना जल्दी और आसानी से बन जाता है. लेकिन, क्या आप जानते हैं कि प्रेशर कुकर का इस्तेमाल करने का सही तरीका क्या है?

सही साइज का चुनाव: अपनी जरूरत के अनुसार प्रेशर कुकर का साइज चुनें. छोटे परिवार के लिए छोटा कुकर और बड़े परिवार के लिए बड़ा कुकर उपयुक्त रहता है.

कुकर की सफाई: कुकर का इस्तेमाल करने से पहले और बाद में उसे अच्छी तरह से साफ करें. सीटी और रबर गैस्केट की सफाई पर विशेष ध्यान दें.

पानी की सही मात्रा: कुकर में खाना पकाते समय पानी की सही मात्रा का इस्तेमाल करें. बहुत कम या ज्यादा पानी का इस्तेमाल खाने की गुणवत्ता पर असर डाल सकता है.

ढक्कन की जांच: कुकर बंद करने से पहले ढक्कन के ठीक से बैठने की जांच करें. रबर गैस्केट को हर बार चेक करें कि वह कहीं से खराब तो नहीं है.

हीट रेगुलेशन: कुकर में खाना पकाने के बाद, गैस की आंच को मध्यम से कम कर दें. इससे खाना जलेगा नहीं और स्वादिष्ट बनेगा.

प्रेशर रिलीज: खाना पक जाने के बाद, प्रेशर को धीरे-धीरे रिलीज करें. जबरदस्ती सीटी खोलने से बचें, क्योंकि यह खतरनाक हो सकता है.

पान खाने के बाद इन चीजों को बिल्कुल ना खाएं, हो जाएंगी समस्याएं

पान खाने के ढेर सारे फायदे हैं लेकिन बहुत सारे लोगों को लगता है कि पान केवल एक आदत है। चरक संहिता और सुश्रुत संहिता के अनुसार पान में औषधीय गुण हैं। जो कई सारी बीमारियों में राहत पहुंचा सकते हैं। पान में मौजूद एल्केलाइन क्वालिटी पेट और आंतों के पीएच लेवल को बैलेंस करता है। जिससे डाइजेशन सही होता है। पान के पत्ते का रस लेने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पान खाने के बाद कुछ चीजों को भूलकर भी नहीं खाना चाहिए। जानें कौन से हैं वो फूड्स।

ना पिएं दूध

पान खाने के बाद दूध को पीने की गलती कभी ना करें। पान खाकर दूध पीने से डाइजेशन में दिक्कत पैदा होती हैं। वहीं दांत खराब होने का भी डर रहता है।

ना खाएं दवाएं

पान खाने के फौरन बाद किसी भी तरह की दवाईयां नहीं खानी चाहिए। ऐसा करने से कई तरह के हेल्थ से जुड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। जैसे सिर दर्द और पेट में दर्द।

जूस को करें अवॉएड

अगर आपने पान खाया है तो उसके बाद कभी भी भूलकर जूस नहीं पीना चाहिए। जूस पीने से ओरल हेल्थ पर बुरा असर पड़ता है।

मसाले

आयुर्वेद में बहुत सारे विरुद्धाहार के बारे में बताया गया है। जब आप पान खाने के बाद किसी भी तरह के मसालों को यानी स्पाइस को खाते हैं तो पाचन से जुड़ी दिक्कतें परेशान करने लगती हैं।

ठंडा पानी

पान के पत्ते चबाने से मुंह और सीने को ठंडक मिलती है। जब आप पान के तुरंत बाद ठंडा पानी पी लेता है तो इससे सांस लेने में दिक्कत हो सकती है और गला चोक हो सकता है। वहीं कहते हैं कि ठंडा पानी पान खान के बाद पीने से अल्सर का खतरा रहता है।

इन 5 लोगों को भूलकर भी नहीं करना चाहिए लौंग का अधिक सेवन

भारतीय रसोई में लौंग का इस्तेमाल भोजन में खुशबू और स्वाद जोड़ने के लिए किया जाता है। लौंग में मौजूद विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन ई, कैल्शियम, मैग्नीशियम और मैंगनीज जैसे पोषक तत्व व्यक्ति के ओरल हेल्थ को अच्छा बनाए रखने के साथ पाचन को भी दुरूस्त रखने तक में मदद करते हैं। सेहत के लिए इतनी फायदेमंद होने के बावजूद क्या आप जानते हैं गर्मियों में कुछ लोगों को लौंग का अधिक सेवन नहीं करना चाहिए। इसका अधिक सेवन उनकी सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकता है। आइए जानते हैं कैसे।

लो ब्लड शुगर- लौंग का अधिक सेवन रक्त शर्करा के स्तर को बहुत अधिक गिरा सकता है। अगर आप डायबिटीज रोगी हैं और शुगर को कंट्रोल रखने के लिए पहले से ही दवा का सेवन कर रहे हैं तो लौंग का सेवन करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

शरीर में गर्मी बढ़ा सकता है-लौंग की तासीर गर्म होती है। ऐसे में गर्मी के मौसम में अधिक मात्रा में लौंग का सेवन करने से बचना चाहिए। इसका अधिक सेवन शरीर का तापमान बढ़ा सकता है। लौंग का अधिक मात्रा में सेवन गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं की वजह बन सकता है। जिसकी वजह से आपको पेट की परेशानी, अपच,डायरिया या फिर जलन व हार्टबर्न की समस्या हो सकती है।

लीवर या किडनी प्रॉब्लम- लौंग का ज्यादा सेवन करने से किडनी और लिवर को भी नुकसान हो सकता है। अगर आप पहले से ही लीवर या किडनी के रोग से परेशान हैं तो लौंग का सेवन अधिक मात्रा में करने से बचें। लौंग की तासीर गर्म होने की वजह से यह लिवर, किडनी और पेट की परेशानी का खतरा बढ़ सकती है।

ब्लड थिनिंग की समस्या-लौंग का अधिक सेवन करने से खून पतला होता है और व्यक्ति को ब्लड थिनिंग की समस्?या हो सकती है। दरअसल, लौंग एक नेचुरल ब्लड थिनर के रूप में काम करता है। लेकिन अगर आप अधिक मात्रा में इसका सेवन करते हैं तो ऐसा करने से चोट लगने पर आपका खून जल्दी नहीं रुकेगा। इतना ही नहीं, जब ब्लड बहुत अधिक पतला होने लगता है, तो इससे आपको कई अन्य दिक्कतें भी हो सकती है।

गर्भावस्था में नुकसान- गर्भावस्था में लौंग का सेवन ज्यादा करने से शुरूआती दिनों में ब्लीडिंग होने की संभावना होती है। साथ ही जो माताएं बच्चे को दूध पिलाती हैं उनके दूध के जरिये बच्चे तक इसका असर पहुंच सकता है। जिससे बच्चे को भी एलर्जी के साथ कई अन्य तरह की दिक्कतें होने का खतरा बना रहता है।

के कई कारण हो सकते हैं।

थकान और उल्टी- लगातार थकान और उल्टी की समस्या भी उन लोगों को प्रभावित कर सकती है जो पैंक्रियाज से जुड़ी समस्याओं से पीड़ित हैं। पैंक्रियाज में एंजाइम निर्माण के कारण, अंग में सूजन हो सकती है। जिससे उल्टी महसूस हो सकती है।

वजन घटना- अस्वाभाविक वजन घटाने को पैंक्रियाज समस्याओं के लक्षणों में से एक माना जा सकता है। नियमित तौर पर या फिर ज्यादा खाने के बावजूद लोगों का वजन कम होना आम बात है। हालांकि, शरीर में पोषक तत्वों को अवशोषित करने में विफलता के कारण पैंक्रियाज की कार्यप्रणाली खराब हो जाती है। बिना कारण वजन कम होना समस्या का संकेत हो सकता है।

अगर बिना किसी कारण वजन कम होना, मल के रंग में बदलाव, शुगर लेवल का बढ़ना या कम होना, या उल्टी के साथ मतली जैसे दूसरे लक्षणों के साथ दर्द बना रहता है, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

गर्दन की चर्बी को कम करने के लिए रोजाना करें ये 2 योगासन

लोग बैली फैट को कम करने के लिए कई तरह के जतन करते हैं लेकिन बात जब गले के आसपास जमा चर्बी की आती है तो उसे अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। गर्दन की चर्बी और डबल चिन को आमतौर पर टर्की नेक के नाम से जाना जाता है। गले में मौजूद फैट किसी भी व्यक्ति की खूबसूरती को प्रभावित कर सकता है। शरीर का पॉश्चर ठीक रखने और फिट दिखने के लिए गर्दन पर मौजूद फैट को कम करना जरूरी होता है। अगर आप भी गले पर जमा चर्बी से निजात पाना चाहते हैं तो अपने रूटिन में शामिल करें ये 2 योगासन।

भुजंगासन- भुजंगासन को अंग्रेजी में कोबरा पोज के नाम से जाना जाता है। भुजंगासन के अभ्यास के दौरान शरीर कोबरा जैसे पोज में रहता है। इस आसन के अभ्यास से गर्दन और गले पर मौजूद एक्स्ट्रा फैट को कम करने में मदद मिलती है और व्यक्ति का वजन कम होता है। भुजंगासन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले जमीन पर योगा मैट बिछाकर पेट के बल लेट जाएं। इसके बाद अपने हाथों को सिर के दोनों तरफ जमीन से टिकाकर रखें। अब अपनी हथेलियों को अपने कंधों के बराबर लाते हुए गहरी लंबी सांस लेते हुए हाथों को जमीन पर दबाते हुए शरीर को नाभि तक ऊपर की तरफ उठाएं। इस क्रम में सबसे पहले सिर,छाती और आखिर में पेट वाले हिस्से को ऊपर उठाएं। अब सिर को ऊपर की तरफ सांप के फन की तरह से खींचे। कुछ देर इसी अवस्था में बने रहें और वापस पुरानी स्थिति में आ जाएं। आप इस आसन का अभ्यास 3 से 7 बार कर सकते हैं।

चक्रासन- चक्रासन को अंग्रेजी में व्हील पोज के नाम से पहचाना जाता है। यह योगासन शरीर के निचले हिस्से की मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखने में काफी प्रभावशाली है। नियमित रूप से इस योग का अभ्यास करने से गर्दन के आसपास की चर्बी को घटाने में मदद मिलती है। इतना ही नहीं यह बढ़ते मोटापे को दूर करने में प्रभावी हो सकता है। चक्रासन करने के लिए सबसे पहले कमर के बल लेटकर पैरों को कूल्हों के बराबर खोलकर घुटने मोड़ लें। अब तलवों को जमीन पर रखते हुए दोनों हाथों को कान के किनारों पर इस तरह रखें कि उंगलियां पैरों की तरफ आएं। इसके बाद सांस लें और कूल्हों को जितना हो सके आसमान की तरफ उठाएं और सांस छोड़ें और रुकें। अब एक बार दोबारा सांस भरें और गर्दन को नीचे लटकाते हुए हाथों और पैरों को पास लाने की कोशिश करें। इस मुद्रा में कुछ देर सांस लें और फिर धीरे से सामान्य हो जाएं।

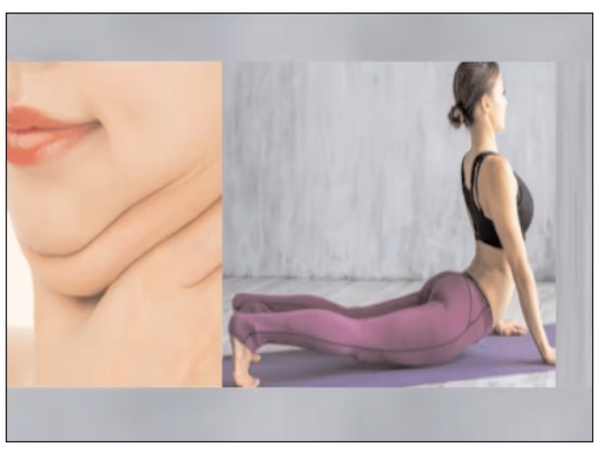

पेट दर्द और खराब पाचन गंभीर पैंक्रियाज की समस्या का हो सकते हैं संकेत

बार-बार अगर किसी व्यक्ति को पेट में दर्द या फिर पाचन से जुड़ी समस्या होती है, तो इसे हल्के में लेना भारी पड़ सकता है। दरअसल, बार-बार ऐसे लक्षणों का दिखना पैंक्रियाज की समस्या का संकेत हो सकते हैं।पैंक्रियाज हमारे शरीर का एक जरूरी अंग है, जो पाचन रस और हार्मोन का उत्पादन करता है। यहां हम कुछ ऐसे लक्षणों के बारे में बता रहे हैं जो दिखने में सामन्य होते हैं, लेकिन इसकी वजह से बड़ी समस्या हो सकती है।

पाचन संबंधी समस्याएं- बहुत से लोग जो पैनक्रियाज की समस्याओं से पीड़ित हैं, उन्हें आमतौर पर पाचन समस्याओं का अनुभव हो सकता है। जब पाचन की बात आती है तो पैंक्रियाज बहुत जरूरी होता है क्योंकि यह पाचन एंजाइमों का उत्पादन करता है जो खाने को छोटे कणों में तोड़ देता है। हालांकि, जब ये प्रभावित होता है, तो ये एंजाइम उचित रूप से जारी नहीं हो पाते हैं, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं।

पेट में दर्द- पेट दर्द भी पैंक्रियाज प्रभावित होने का एक सामान्य लक्षण है। ये पेट के ऊपर से नीचे तक फैलता है। इस तरह का दर्द पुराना हो सकता है, और यह पीछे की ओर जाता है। हालांकि, पेट दर्द

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

इंडी एलायंस भ्रष्टाचार करने वाले लोगों का जमावड़ा : नड्डा

भोपाल। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मध्य प्रदेश के जबलपुर में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित किया। उस दौरान उन्होंने कहा कि मैं भाजपा के एक कार्यकर्ता के नाते आपसे अपील करने आया हूं कि आप भाजपा को केवल अपना समर्थन ही नहीं, बल्कि अपनी योग्यता का पूरा उपयोग करते हुए समाज के अधिक से अधिक लोगों का आशीर्वाद भाजपा को दिलाएं। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी हैं, जो कहते हैं कि हम भ्रष्टाचार को हटाकर रहेंगे और भ्रष्टाचार के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं इंडी एलायंस भ्रष्टाचार करने वाले लोगों का जमावड़ा बन चुका है। उन्होंने कहा कि पहले जातिवाद से प्रभावित राजनीति होती थी। उसके साथ साथ परिवारवाद और तुष्टिकरण एवं वोटबैंक की राजनीति होती थी। लेकिन आज हम कह सकते हैं कि मोदी जी ने परिवारवाद, जातिवाद, तुष्टिकरण को समाप्त किया है और विकासवाद को आगे बढ़ाया है। नड्डा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने राजनीति की परिभाषा को बदल दिया है।

ओडिशा विस चुनाव के लिए भाजपा की पहली सूची जारी

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आगामी ओडिशा विधानसभा चुनाव के लिए 112 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। पार्टी ने अपने 22 मौजूदा विधायकों में से 21 पर फिर से भरोसा जताते हुए उन्हें उम्मीदवार बनाया है। भाजपा का टिकट नहीं पाने वाले एकमात्र विधायक पुरी जिले के ब्रह्मगिरि से ललितेंदु विद्याधर महापात्रा हैं। महापात्रा की भतीजी उपासना महापात्रा को ब्रह्मगिरी विधानसभा सीट से टिकट मिला है। इस सूची में उपासना सहित आठ महिला उम्मीदवार हैं। सूची के अनुसार, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल भद्रक जिले की चांदबली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे, जबकि पार्टी के वरिष्ठ नेता और बरगढ़ से मौजूदा सांसद सुरेश पुजारी ब्रजराजनगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। पुजारी को इस बार लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी के टिकट से वंचित कर दिया गया था। पिछले दिनों भाजपा में शामिल होने वाले अभिनेता और दो बार के सांसद रहे सिद्धांत महापात्रा को डिगपींडी से भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है।

संजय सिंह को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

नईदिल्ली। ऐसे वक्त में जब अरविंद केजरीवाल ईडी की हिरासत में हैं। आम आदमी पार्टी के लिए लोकसभा चुनाव के दौरान एक बड़ी राहत मिल गई है। शराब नीति मामले में आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह को जमानत मिल गई है। जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है कि उनमें ये पहली जमानत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 6 महीने से ज्यादा कस्टडी में रखा गया। पर्याप्त सबूत उनके खिलाफ नहीं है। ईडी ने कहा कि जमानत पर हमें कोई ऐतराज नहीं है। कोर्ट ने कहा कि जमानत की शर्तें निचली अदालत से तय होंगी। संजय सिंह की आज सुबह तक रिहाई संभव बताई जा रही है। आम आदमी पार्टी (आप) नेता संजय सिंह, जिन्हें ईडी ने पिछले अक्टूबर में दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। हालांकि, अदालत ने कहा कि जमानत को मिसाल नहीं माना जा सकता, जबकि जांच एजेंसी ने कहा कि उसे सिंह को जमानत देने पर कोई आपत्ति नहीं है।

मेरठ से भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल ने किया नामांकन

मेरठ। भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल ने मंगलवार को मेरठ हापुड़ लोकसभा सीट से नामांकन दाखिलकर दिया। नामांकन के समय यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी मौजूद थे। भगवा कुर्ते में अरुण गोविल ने नामांकन से पहले अपने समर्थकों का अभिवादन किया। गौरतलब है कि अरुण गोविल ने पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव के समय बीजेपी जॉइन की थी। हाल ही में अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद अरुण गोविल अचानक लाइम लाइट में आ गए। इसके बाद उन्हें बीजेपी ने मेरठ से टिकट दे दिया। अरुण गोविल का जन्म और पढ़ा मेरठ में हुई है। अरुण गोविल की कर्मभूमि मुंबई रही है लेकिन उनका जन्म मेरठ में हुआ था। यही कारण है कि बीजेपी ने उन्हें मेरठ से टिकट दिया है। अरुण गोविल ने मुंबई में कई फिल्मों में काम किया। लेकिन रामायण सीरियल ने उन्हें भारत के घर-घर तक पहुंचा दिया था।

बिहार के सांसद अजय निषाद ने दिया भाजपा से इस्तीफा

पटना। बिहार की मुजफ्फरपुर सीट से सांसद अजय निषाद ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के द्वारा छल किये जाने से छुब्ध होकर मैं पार्टी के सभी पद के साथ प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं। टिकट न मिलने से मौजूदा सांसद अजय निषाद काफी नाराज चल रहे थे और ऐसे में जो बड़ी बात निकल के आ रही है कि वो आज कांग्रेस ज्वाइन करने जा रहे हैं। उन्होंने भाजपा नेतृत्व के सामने अपनी नाराजगी जताते हुए प्राथमिक सदस्यता से भी त्यागपत्र दे दिया है। मुजफ्फरपुर सीट से कांग्रेस पार्टी के सिंबल पर लोकसभा चुनाव 2024 लड़ सकते हैं। भाजपा ने इस बार मुकेश सहनी की पार्टी छोड़कर आने वाले डॉ. राजभूषण चौधरी को इस सीट से प्रत्याशी बनाया है। बताते चले कि डॉ. चौधरी को पिछले चुनाव में अजय निषाद ने 409988 वोटों से हराया था।

तीसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर तेज प्रहार होगा : मोदी

राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री का वार, बोले- सत्ता से बाहर हुए तो आग लगाने की बात कर रहे हैं

रूद्रपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नैनीताल-उधमसिंह नगर लोकसभा क्षेत्र के केंद्र में, उत्तराखंड के रुद्रपुर में एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि मैं जब भी उत्तराखंड की पवित्र धरती पर आता हूं, खुद को बहुत धन्य महसूस करता हूं। इसलिए मेरे दिल की गहराई से एक बात निकली थी- देवभूमि के ध्यान से ही मैं सदा धन्य हो जाता हूं, है भाग्य मेरा सौभाग्य मेरा, मैं तुमको शीश नवाता हूं। रुद्रपुर में उत्तराखंड के विकास और राज्य को लाभ पहुंचाने वाली विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में बात करते हुए पीएम मोदी कहते हैं, नीयत सही तो नतीजे भी सही। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में उत्तराखंड में अभूतपूर्व विकास हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस चुनाव में दो खेमे हैं। एक तरफ ईमानदारी दूसरी तरफ भ्रष्टाचारी, धमकी और गाली दे रहे हैं। हम कह रहे भ्रष्टाचार हटाओ, वो कह रहे भ्रष्टाचारी बचाओ। मोदी देश की आवाज सुनता है। मोदी को कितनी गलियां और धमकी दी जाए, मैं डरने वाला नहीं। पीएम मोदी ने कहा कि तीसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर तेज प्रहार होगा। आगे आना वाला पांच साल देश हित में बड़े फैसलों के होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी ने भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने की गारंटी दी है। तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत का मतलब है- लोगों की कमाई बढ़ेगी। नौकरी के अवसर बढ़ेंगे। गांव-शहर में सुविधा बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हमने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक योजना शुरू की है - नमो ड्रोन दीदी। इस योजना के तहत हमारी बहनों और बेटियों को ड्रोन पायलट बनने में मदद करने के लिए लाखों रुपये के ड्रोन दिए जा रहे हैं, इससे हमारी उत्तराखंड की बेटियों और बहनों को भी फायदा होगा।

उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी ने उत्तराखंड के घर-घर में सुविधा पहुंचाई है, लोगों का स्वाभिमान बढ़ाया है। आज उत्तराखंड हर प्रकार की आधुनिक कनेक्टिविटी से जुड़ रहा है। भाजपा ने प्रदेश के गरीबों को 85000 घर बनाकर दिए हैं। 12 लाख घरों तक पानी का कनेक्शन पहुंचाया है। इसके अलावा भाजपा सरकार ने साढे पांच लाख से ज्यादा शौचालयों का निर्माण कराया है। इसके अलावा यहां की पांच लाख से ज्यादा महिलाओं को

उज्जवला गैस मुक्त कनेक्शन दिया गया है। करीब 3 लाख लोगों को स्वामित्व योजना के तहत उनकी प्रॉपर्टी के कार्ड दिए गए हैं। उत्तराखंड के 35 लाख लोगों के पास पहले बैंक में खाता तक नहीं थे। भाजपा सरकार ने 35 लाख लोगों के बैंक खाते खुलवाए और उन्हें बैंकों से जोड़ा। कहा कि इतने सारे काम तब होते हैं जब नीयत सही होती है। इसलिए मैं कहता हूं नियत सही तो नतीजे भी।

अब तीसरे टर्म में आपका ये बेटा एक और बड़ा काम करने जा रहा है। आपको 24 घंटे बिजली मिले, बिजली का बिल जीरो हो और बिजली से कमाई भी हो। इसके लिए मोदी ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि मोदी मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ है, मोदी मेहनत करने के लिए पैदा हुआ है। मोदी आपके लिए मेहनत करने के लिए पैदा हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 10 साल में जो विकास हुआ, वो तो सिर्फ ट्रेलर है। अभी तो बहुत कुछ करना है। अभी तो हमें देश को बहुत आगे लेकर जाना है। तब तक न रुकना है, न थकना है। उन्होंने राहुल गांधी पर वार करते हुए कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार के शहजादे ने ऐलान किया है, अगर देश ने तीसरी बार मोदी सरकार को चुना तो आग लग जाएगी। 60 साल तक देश पर राज करने वाले 10 साल सत्ता से बाहर क्या रह गए, अब देश में आग लगाने की बात कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि इमरजेंसी की मानसिकता वाली कांग्रेस का भरोसा अब लोकतंत्र पर नहीं बचा है। इसलिए अब वह जनादेश के विरुद्ध लोगों को भड़काने में जुट गई है। कांग्रेस, भारत को अस्थिरता की तरफ ले जाना चाहती है, अराजकता में झोंकना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, तुष्टिकरण के दल-दल में ऐसा धंस गई है कि कभी देशहित का नहीं सोच सकती। यही कांग्रेस है जो घुसपैठियों को बढ़ावा देती है। लेकिन जब भाजपा सीएए के माध्यम से मां भारती में आस्था रखने वालों को भारत की नागरिकता देती है, तो कांग्रेस को सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने मां भारती के टुकड़े किए। उत्तराखंड वीर संतान को जन्म देती है, कांग्रेस ने तमिलनाडु के पास समुंद्र में द्वीप भारत का हिस्सा श्रीलंका को दिया। कोई मछुआरे जाता है तो वो वहां जेल में है। लोगों से पूछा क्या कांग्रेस भारत की रक्षा कर सकती है, मोदी ने सैनिक परिवारों को वन रैंक वन पेंशन दी। नियत सही तो नतीजे सही।

इससे पहले पीएम मोदी ने देशी अंदाज में हाल चाल लिया। पीएम मोदी ने कहा कि भीड़ को देखकर यह तय नहीं हो पा रहा कि यह प्रचार सभा या विजय रैली। मैदान में बैठे लोगों को धूप लगने पर पीएम मोदी ने कहा कि भीड़ के लिए पंडाल छोटा पड़ गया है। जितने लोग अंदर बैठे हैं उससे ज्यादा लोग बाहर धूप में तप रहे हैं। हमारी व्यवस्था में कुछ कमी रही इसके लिए मैं क्षमा मांगता हूं। आपको विश्वास दिलाता हूं कि धूप में तपने की आपकी तपस्या को बेकार नहीं जाने दूंगा। मैं इसे विकास कर करके लौटा दूंगा।

आपके प्यार के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। कहा कि यह चुनावी सभा भी ऐसे क्षेत्र में हो रही है जिसे मिनी इंडिया कहा जाता है। कहा कि यह देवभूमि और मिनी इंडिया का ही आशीर्वाद है कि वह उत्तराखंड की पवित्र धरती पर आए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के प्रति भाजपा का जो प्रेम जग जाहिर है। हमें उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाकर सबसे आगे लेकर जाना है। इसके लिए केंद्र की भाजपा सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। पिछले दस वर्षों में जितना विकास उत्तराखंड का हुआ है उतना आजादी के बाद के 60-65 साल में भी नहीं हुआ।

आप नेता का भाजपा पर गंभीर आरोप

'आप' के और चार नेता होंगे गिरफ्तार मैं भी जाऊंगी जेल: आतिशी

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी की मंत्री आतिशी ने मंगलवार को दावा किया कि उन पर अपना राजनीतिक करियर बचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल होने का दबाव डाला जा रहा है और अगर ऐसा नहीं हुआ तो उन्हें एक महीने में गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, आतिशी ने कहा, भाजपा ने मेरे एक करीबी सहयोगी के माध्यम से मेरे राजनीतिक करियर को बचाने के लिए उनकी पार्टी में शामिल होने के लिए मुझसे संपर्क किया और अगर मैं भाजपा में शामिल नहीं हुई तो आने वाले एक महीने में मुझे ईडी द्वारा गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आतिशी ने कहा, लोकसभा चुनाव से पहले आने वाले दो महीनों में, वे चार और आप नेताओं- सौरभ भारद्वाज, आतिशी, दुर्गेश पाठक और राघव चड्ढा को गिरफ्तार करेंगे।

आप नेता आतिशी के इस दावे पर कि अगर वह बीजेपी में शामिल नहीं हुईं तो ईडी उन्हें गिरफ्तार कर लेगी, इस पर बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा, %दिल्ली के लोग इसे अच्छी तरह से समझ रहे हैं, अंग्रेजी में एक कहावत है कि चोरों का पर्दाफाश हो गया है। उनके सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि विजय नायर आतिशी और सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करते थे। शराब घोटाले में अहम भूमिका निभाने वाले नायर उन्हें रिपोर्ट करते थे। अगर इस पूरे घोटाले का सरगना कह रहा है कि ये लोग शामिल हैं तो उनसे पूछताछ होनी चाहिए। बीजेपी की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति है। पीएम नरेंद्र मोदी, बीजेपी का रुख भ्रष्टाचार को दूर करना है।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का कहना है, आज अरविंद केजरीवाल की राजनीति का बदलता चेहरा सामने आ गया है। आज वह कहते हैं कि मैं जेल से सरकार चलाऊंगा। वह सिर्फ आरोप लगाकर इस्तीफा मांगते थे। फिर उन्होंने मनीष सिसौदिया और सत्येन्द्र जैन का इस्तीफा क्यों लिया? अब यह स्पष्ट है कि वे

केजरीवाल को बचाने के लिए बलि का बकरा ढूंढना चाहते हैं।

आतिशी ने आगे दावा किया सोमवार को ईडी ने एक बयान के आधार पर सौरभ भारद्वाज और मेरा नाम कोर्ट में लिया, जो डेढ़ साल से ईडी और सीबीआई के पास मौजूद है, ये बयान ईडी की चार्जशीट में है। ये बयान भी चार्जशीट में है। तो इस बयान को उछालने की वजह क्या थी? इस बयान को उठाने की वजह ये थी कि अब बीजेपी को लगता है कि अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसौदिया, संजय सिंह और सत्येन्द्र जैन के जेल में होने के बावजूद आम आदमी पार्टी अभी भी एकजुट है और मजबूत। अब वे आम आदमी पार्टी के नेतृत्व की अगली पंक्ति को जेल में डालने की योजना बना रहे हैं।

प्रेस वार्ता के दौरान जब आतिशी से पूछा गया कि क्या दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल अपने पद से इस्तीफा देंगे, तो आतिशी ने कहा, %%हमारे देश में इससे जुड़े दो संवैधानिक और कानूनी प्रावधान हैं. जन प्रतिनिधित्व कानून कहता है कि अगर आपके पास ज्यादा के लिए दृढ़ विश्वास है.%% दो साल से ज्यादा, तो आप जन प्रतिनिधि नहीं रह सकते। अरविंद केजरीवाल को दोषी नहीं ठहराया गया है...अरविंद केजरीवाल के पास दिल्ली विधानसभा में प्रचंड बहुमत है, इसलिए अरविंद केजरीवाल के इस्तीफा देने का कोई कारण नहीं है। अगर अरविंद केजरीवाल आज इस्तीफा देते हैं तो यह विपक्षी सरकारों को गिराने के लिए भारतीय जनता पार्टी के लिए यह एक बहुत ही सरल और सीधा समाधान होगा।

खेल
प्रमुख समाचार

कोलकाता की चुनौती के लिये दिल्ली कैपिटल्स तैयार

नईदिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की नजरें बुधवार को आईपीएल के मैच में यह साबित करने पर लगी होंगी कि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मिली जीत कोई तुक्का नहीं थी जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स की नजरें जीत की हैट्रिक पर लगी होंगी। दिल्ली ने रविवार को गत चैम्पियन चेन्नई को 20 रन से हराया जो इस सत्र में उनकी पहली जीत थी । अब उनका सामना केकेआर से है जिसके बल्लेबाजों ने 29 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के गेंदबाजों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था।

दिल्ली के लिये आस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर और पृथ्वी साव पर अच्छी शुरूआत देने की जिम्मेदारी होगी। इस बीच ऋषभ पंत ने पहले दो मैचों में औसत प्रदर्शन के बाद अपने पुराने फॉर्म में लौटते हुए 32 गेंद में 51 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स और आस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श भी विरोधी गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ने में माहिर हैं । स्टब्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन किया और टीम उनसे इस लय को कायम रखने की उम्मीद कर रही होगी ।

दूसरी ओर मार्श ने अभी तक उस तरह की बल्लेबाजी नहीं की है जिसके लिये वह जाने जाते हैं। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्किया को अभी तक लय नहीं मिली है जो चोट के कारण लंबे समय बाद लौटे हैं। दिल्ली के भारतीय गेंदबाजों को केकेआर के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के सामने बेहतर खेल दिखाना होगा। सीएसके के खिलाफ खलील अहमद ने अच्छी गेंदबाजी की लेकिन क्षेत्ररक्षण में उन्हें सुधार करना होगा। ऊंचे कैच टपकाने की उनकी आदत छूट नहीं रही और चेन्नई के खिलाफ उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी का कैच छोड़ा। मुकेश कुमार के पास रफ्तार नहीं है लेकिन ईशांत शर्मा का अनुभव टीम के काम आ रहा है। दूसरी ओर केकेआर ने अब तक दोनों मैच जीते हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 111 अंक टूटा, निफ्टी भी हुआ लाल निशान पर बंद

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को तीन कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 111 अंक के नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजारों में कमजोर रुख तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच चुनिंदा निजी बैंकों और वाहन शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार में गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 110.64 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,903.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 270.78 अंक तक नीचे चला गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 8.70 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 22,453.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सोमवार को कारोबार के दौरान अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गये थे। बाद में दोनों मानक सूचकांक 0.5 प्रतिशत बढ़त में रहे।

पेप्सिको इंडिया मप्र में 1,266 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नईदिल्ली। पेप्सिको इंडिया देश में अपनी विस्तार योजना के तहत मध्य प्रदेश के उज्जैन में 'फ्लेवर' विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए 1,266 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी बयान के अनुसार, 22 एकड़ में फैला यह संयंत्र भारत में पेप्सिको के पेय उत्पादन को बढ़ाने, रोजगार सृजन करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव डालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसमें कहा गया कि संयंत्र का निर्माण 2024 में शुरू होने वाला है। 2026 की पहली तिमाही में इसके चालू होने की उम्मीद है। पेप्सिको के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (भारत व दक्षिण एशिया) जागृत कोटेचा ने कहा, '' मध्य प्रदेश सरकार के समर्थन से हमारा लक्ष्य क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बढ़ाने में प्रभावशाली प्रगति करते हुए अपनी पहुंच का विस्तार करना है।''

मार्च में हाई लेवल पर पहुंची मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ

नईदिल्ली। प्रोडक्शन और नए ठेकों में मजबूत वृद्धि के दम पर मार्च में भारत के मेन्युफैक्चरिंग सेक्टर की वृद्धि 16 साल के हाई लेवल पर पहुंच गई। मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' मार्च में बढ़कर 59.1 पर पहुंच गया जो फरवरी में 56.9 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर इंडेक्स होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी की अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, ''भारत का मार्च विनिर्माण पीएमआई 2008 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। विनिर्माण कंपनियों में मजबूत उत्पादन और नए ठेकों से नियुक्तियां बढ़ीं। विनिर्माण उत्पादन मार्च में लगातार 33वें महीने बढ़ा। अक्टूबर 2020 के बाद से यह सर्वाधिक वृद्धि है।

ऑडी इंडिया ने वित्त वर्ष 2023-24 में बेचीं खूब गाड़ियां

नईदिल्ली। लक्जरी कार निर्माता ऑडी इंडिया की वित्त वर्ष 2023-24 की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7,027 इकाई रही। जर्मनी वाहन विनिर्माता की वित्त वर्ष 2022-23 में बिक्री 5,275 इकाई रही थी। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने एक बयान में कहा, '' हमने विविध खंड के दम पर वित्त वर्ष 2023-24 में 33 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की। हमारे उत्पाद खंड में मजबूत मांग बनी हुई है और हम आपूर्ति चुनौतियों से पार पाने के लिए तैयार हैं।'' वाहन विनिर्माता ने जनवरी-मार्च तिमाही में घरेलू बाजार में 1,046 इकाइयों की खुदरा बिक्री की। पिछले साल समान अवधि में उसने 1,950 वाहन बेचे थे।

पाकिस्तान से व्यापार घाटे का सौदा

सुशांत सरीन

भारत से व्यापार को लेकर पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार का एक बयान चर्चा में है। असल में लंदन में एक संवाददाता सम्मेलन में उनसे पूछा गया कि क्या दोनों देशों के रिश्तों में बेहतरी की संभावना है। उस सवाल में व्यापार की कोई बात नहीं थी। इस पर विदेश मंत्री ने कहा कि हम कम से कम व्यापार और आर्थिक गतिविधियों के बारे में बात कर सकते हैं।

इसका मतलब यह है कि भारत पर जो आतंकवाद पाकिस्तान द्वारा थोपा जाता रहा है, भारत के खिलाफ जो नफरत दिखायी जाती है, देश में जो अलगाववाद भड़काने की कोशिश होती है या जो ऐसी और हरकतें हैं, उन पर बात नहीं होगी, लेकिन भारत से व्यापार करना उनके फायदे में है, तो वे इस पर बातचीत करना चाहते हैं। सवाल अब यह है कि पाकिस्तान से व्यापार करना क्या भारत के हित में है। मेरा मानना है कि पाकिस्तान से व्यापार-वाणिज्य से हमारा कोई लाभ नहीं है। इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता है कि हम पाकिस्तान से व्यापार करते हैं या नहीं करते। अगर अफगानिस्तान तक चीजें भेजने के लिए पाकिस्तान रास्ता देता है, तो उससे अफगानों को फायदा है, हम पर उसका कोई फर्क नहीं पड़ता। अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था वैसे भी बहुत ही छोटी है।

इसके साथ-साथ व्यापारिक सुरक्षा का प्रश्न भी है। अगर पाकिस्तान से होकर तेल पाइपलाइन आती है या उससे होकर व्यापार होता हो, तो क्या हमें यह स्वीकार होगा कि उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी पाकिस्तान के पास हो? यह तो हो नहीं सकता कि वे जब चाहें पाइपलाइन बंद कर दें या रास्ता रोक दें।

वित्त वर्ष 2022-23 में भारत का कुल विदेश व्यापार 1.6 ट्रिलियन डॉलर था, जो

हमारे सकल घरेलू उत्पादन का लगभग 48 प्रतिशत था। उस वित्त वर्ष में पाकिस्तान को भारत का निर्यात 627 मिलियन डॉलर (कुल निर्यात का 0.1 प्रतिशत) और पाकिस्तान से आयात 20 मिलियन डॉलर (कुल आयात का 0.003 प्रतिशत) रहा था। इससे स्पष्ट है कि आर्थिक दृष्टि से पाकिस्तान का हमारे लिए कोई मतलब नहीं है। लेकिन पाकिस्तान के लिए यह बहुत लाभप्रद हो सकता है।

उन्हें दवा समेत कई चीजें सस्ती मिल सकती हैं। प्याज, टमाटर आदि के भाव बीच-बीच में बहुत बढ़ जाते हैं, जिससे मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी होती है। वैसी स्थिति में भारत से आयात उनके लिए बड़ी राहत हो सकता है। साथ ही, व्यापार बढ़ने से आपूर्ति श्रृंखला का विस्तार होता है। अगर हमारे यहां एक जगह किसी चीज की कमी होती है, तो देश के दूसरे हिस्से से उसकी आपूर्ति हो जाती है। हमारे पास विदेश से आयात का विकल्प भी होता है। यह भी है कि तीसरे देश के जरिये भारत और पाकिस्तान का कुछ व्यापार हो रहा है। उसमें भारतीय व्यापारियों को अपना पैसा मिल जाता है, पर तीसरे देश से होकर सामान आने से पाकिस्तान के लोगों को महंगे दाम देने पड़ते हैं।

एक सोच है कि अगर हम पाकिस्तान से व्यापार करेंगे, तो हमारे संबंध बेहतर होंगे। लेकिन इस बात का हमारे पास कोई प्रमाण नहीं है। महायुद्धों के इतिहास को देखें या अभी रूस-यूक्रेन युद्ध को लें, उन देशों के बीच बहुत व्यापार होता था, पर युद्ध के शुरू होने के साथ वह सब बंद हो गया। तेल एवं गैस की पाइपलाइनें तक बंद हो गयी हैं। साथ ही साथ, यह मान लेना भी बेकार की बात है कि व्यापार होगा, तो युद्ध नहीं होगा। साल 1965 तक भारत और पाकिस्तान के बीच बहुत व्यापार होता था, पर उस साल पाकिस्तान ने हमारे ऊपर युद्ध भी थोप दिया।

पाकिस्तान की सोच यह है कि भारत और चीन के बीच बहुत तनाव है, लेकिन उनका अच्छा-खासा व्यापार भी होता है, तो इसी तरह हम भी व्यापार करें और तनाव भी बरकरार रखें। भारत को अस्थिर और अशांत करने की उनकी नीति चलती रहे, कश्मीर में आतंक को वे बढ़ावा देते रहें, अलगाववाद बढ़ायें, इस्लामी कट्टरपंथी ताकतों को समर्थन दें, खालिस्तानियों का सहयोग करें, और साथ में व्यापार भी करें। पहले तो ऐसा ही हो रहा था।

भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए तीसरी बार मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना होगाः साय

● साजा में मुख्यमंत्री ने ली सभा, विजय बघेल को जिताने माँगा आशीर्वाद ● दुर्ग लोकसभा सीट में पिछले बार से भी ज्यादा मतों से जीतेगी भाजपा

परपोड़ी/साजा/रायपुर। हमारी सरकार ने मात्र 3 महीने में मोदी की गारंटी के सभी प्रमुख वादों को प्राथमिकता से पूरा किया। गारंटी में जो बचे हुए, जैसे 500 रूपये में गैस सिलेंडर, भूमिहीन मजदूरों को सालाना दस हजार रूपये देने के वादे को भी लोकसभा चुनाव के बाद सांय-सांय पूरा करेंगे। इसलिए लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को जिताएं।

आज बेमेतरा के परपोड़ी, साजा में आयोजित विशाल जनसभा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ये बात कही।

श्री साय ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में आप सभी ने भारी मतों से विजय बघेल को जीत दिलाई थी. इस बार जीत का अंतर दुगुना होना

चाहिए, आप सभी से यह मांग करने आया हूँ. उन्होंने कहा कि आप सभी ने विधानसभा चुनाव में ईश्वर साहू को जिताया, जिसके लिए भी आप सभी का आभार। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत को पुनः विश्वगुरु बनाना है, सोने की चिड़िया बनाना है, जिसके लिए हमें तीसरी बार मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना होगा। जिसके लिए प्रदेश की पूरी 11 की 11 सीटें जिताकर मोदी जी को देना होगा, ये आशीर्वाद मैं आप सभी से मांगने आया हूँ. साय ने कहा कि कांग्रेस ने कोयला, शराब, रेत, जमीन सबमें भ्रष्टाचार किया। दुर्भाग्य की बात है कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के ऊपर महादेव सट्टा एप को निरन्तर चलाने के लिए 508 करोड़ रूपये प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप लगा, उन पर एफआईआर हुआ. कांग्रेस की सरकार ने 18 लाख गरीबों के आवास का पैसा खा दिया, गरीबों का मकान अधूरा का अधूरा रह गया। किश्त रुकने से 5 साल तक उनका मकान नहीं बन पाया। लेकिन हमने सरकार में आते ही वादे के अनुरूप 18 लाख पीएम आवास के लिए राशि जारी कर दी है। उन्होंने जनता से महतारी वंदन योजना की अगली किश्त 3 अप्रैल को जारी करने की बड़ी बात कही ।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे कोमल हूपेंडी मुख्यमंत्री साय के समक्ष भाजपा में हुए शामिल

कांकेर/रायपुर। आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कोमल हूपेंडी आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष भाजपा में शामिल हुए। कांकेर में आयोजित भाजपा प्रत्याशी के नामांकन रैली में श्री साय ने कोमल हूपेंडी का पार्टी का गमछा पहनाकर स्वागत किया। गौरतलब है कि कोमल हूपेंडी ने 2023 का विधानसभा चुनाव आप की टिकट पर भानुप्रतापपुर से लड़ा था और 15255 वोट हासिल किए थे। आज उन्होंने अपने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थामा और कांकेर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी को प्रचंड मतों से जिताने का संकल्प लिया।

जनता करेगी कांग्रेस को बाय-बायः मुख्यमंत्री

चरणदास महंत के कांग्रेस के हार की स्थिति वाले बयान पर किए गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कांग्रेस में भगदड़ मची है। उनके नेता पार्टी छोड़ के भाग रहे हैं और भाजपा में शामिल हो रहे हैं। भाजपा नेता जहां भी सभा या रैली में जा रहे हैं, वहां कांग्रेसियों की पार्टी में शामिल होने की होड़ मची है। जनता इस बार कांग्रेस को पूरी तरह से बाय-बाय करने को तैयार है। गौरतलब है कि आज ही नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत का बयान आया है कि मेरी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, तत्कालीन मंत्रियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से उस समय गलती हुई है, जिसका खामियाजा हम आज भुगत रहे हैं कि हम आज सरकार में नहीं हैं और लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस के पक्ष में अभी तक कोई वातावरण नहीं बना है।

भूपेश को पहले जनता और अब कांग्रेस के कार्यकर्ता ठुकरा रहे हैः संजय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने अभा कांग्रेस कमेटी के सदस्य और प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव अरुण सिसौदिया द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ चुनाव आयोग में आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत करने को लेकर कांग्रेस के सियासी घमासान पर करारा कटाक्ष किया है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सार्वजनिक तौर पर स्लीपर सेल कहे जाने के बाद से बघेल के खिलाफ कार्यकर्ताओं में बेहद आक्रोश है और अब बघेल के बड़बोलेपन को लेकर वे रोज नया मोर्चा खोल रहे हैं।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रीवास्तव ने सवाल किया कि भूपेश बघेल के खिलाफ रोज कोई न कोई शिकायत हो क्यों हो रही है? एक समय सरकार और संगठन में अपनी मनमर्जी चलाने वाले बघेल आज कांग्रेस में शोचनीय दशा में पहुँच चुके हैं और एक दिन भी ऐसा नहीं बीत रहा है कि कांग्रेस में बघेल की फजीहत न हो रही हो! दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर स्यापा मचाने वाले कांग्रेस आलाकमान ने महादेव सट्टा एप घोटाले को लेकर बघेल के खिलाफ हुई एफआईआर पर जिस तरह खामोशी ओढ़ रखी है, उसकी खीझ में बघेल अब अपने ही कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल तक कहकर उन्हें आतंकी समूह का सदस्य बताने से गुरेज नहीं कर रहे हैं। श्रीवास्तव ने सवाल किया कि क्या बघेल कांग्रेस में स्लीपर सेल की बात स्वीकार कर कांग्रेस को आतंकी संगठन मान रहे हैं?

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रीवास्तव ने कहा कि राजनांदगाँव के कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में सबके सामने अपने मुँह पर खरी-खोटी सुनकर और फिर सिसौदिया द्वारा कांग्रेस के प्रदेश कोषाध्यक्ष पर कांग्रेस के फंड में 5.89 करोड़ रुपए के घोटाले के खुलासे के बाद से साफ नजर आ रही अपनी हार से बौखलाए पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ सार्वजनिक तौर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल बताए जाने को आचार संहिता का उल्लंघन बताकर बघेल पर कार्रवाई की मांग के साथ की गई शिकायत कांग्रेस के भीतर मचे घमासान को सतह पर ला चुकी है।

श्रीवास्तव ने कहा कि अब तक बघेल के खिलाफ पार्टी फोरम में मोर्चा खोला गया था, पर अब तो कार्यकर्ता चुनाव आयोग तक पहुँच रहे हैं! ये हालात आईने की तरह बघेल को कांग्रेस में अपनी सबसे खराब और दयनीय स्थिति का अक्स दिखा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री की कार्यशैली को लेकर जनाक्रोश पिछले विधानसभा चुनाव में व्यक्त हुआ है और अब कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भी चहुँओर आक्रोश सामने आ रहा है जो थमने का नाम नहीं ले रहा है।

मेरी बात ✍ गिरीश पंकज

बच्चों के अभ्युदय के लिए एक अनोखी पहल

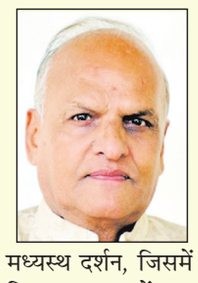

रायपुर से लगभग तीस किलोमीटर दूर अछोटी नामक गाँव में एक अभिनव विद्यालय कुछ वर्षों से संचालित है = अभिभावक विद्यालय। इसे अभ्युदय संस्थान संचालित करता है।अभ्युदय संस्थान की परिकल्पना महान विचारक चिंतक डॉक्टर ए नागराज जी ने की थी। उन्होंने अपने विचार को जीवन विद्या मिशन नाम दिया। उन्होंने अपना एक दर्शन विकसित किया, जिसे नाम दिया मध्यस्थ दर्शन, जिसमें लोग आपस में सह-अस्तित्व की भावना के साथ मिलजुल कर रहें। नागराज जी आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन मिशन बहुत सुंदर ढंग से काम कर रहा है। सबसे पहले इसकी शुरुआत अमरकंटक से हुई। फिर अछोटी एक बड़ा केंद्र बना। वर्षों पहले विदेश से पढ़ कर आए कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर संकेत ठाकुर ने अपने कुछ मित्रों के साथ मिलकर अछोटी ग्राम में सन 1999 में संस्थान की शुरुआत की थी। 31 मार्च को अभिभावक विद्यालय का वार्षिकोत्सव था। डॉ. संकेत के आग्रह पर पत्रकार मित्र समीर दीवान के साथ मैं भी वहां पहुंचा। मैं अभिभूत था यह देख कर कि एक गांव में इतना सुंदर विद्यालय चल रहा है । विद्यालय के बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति और व्यावहारिक जीवन का कुशल प्रशिक्षण देख कर खुशी हुई। गांधी जी ऐसा ही गांव चाहते थे, जहां बच्चों के लिए शैक्षणिक व्यवस्था हो और गाँव अपनी ज़रूरत की चीज़ें खुद पैदा करें। उन्हें शहर का मुँह न देखना पड़े। इस मिशन के तहत शिक्षा का मानवीकरण किया गया है। अध्ययन करने वाले बच्चों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। वे ज़रूरत की कुछ उपयोगी चीजों का खुद निर्माण भी कर रहे हैं। जैविक कृषि कार्य कर रहे हैं, सब्जी उगा रहे हैं। गोपालन का कार्य भी हो रहा है, तो अध्ययन भी। यह भी प्रेरणा की बात है कि अभ्युदय संस्थान के आवासीय परिसर में कुछ परिवार शहरी जीवन का मोह त्याग कर मिलजुल बड़े प्रेमभाव से रहते हैं । सामूहिक रूप से खेती-बाड़ी और अन्य कार्य करते हैं। इसी परिवार की कुछ बहने और भाई पहले से लेकर दसवीं तक के बच्चों को पढ़ाते भी हैं। जीवन विद्या मिशन का लक्ष्य यही है कि मानव जाति एक रहे। ईश्वर एक है। धरती एक है । और मानव धर्म भी एक है। कहीं कोई भेद नहीं होना चाहिए। विद्यालय के बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हुए स्वरोजगार की ओर भी उन्मुख हो रहे हैं,ताकि उन्हें रोजगार के लिए भटकना न पड़े । विद्यालय इस बात का ध्यान रख रहा है कि बच्चों में एक वैश्विक दृष्टि विकसित हो। जाति-धर्म से ऊपर उठकर प्राकृतिक वातावरण में वे पलें बढ़ें। आज संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, तनाव बढ़ रहा है। अकेलापन एक अभिशाप की तरह दिखाई दे रहा है। इन सभी विसंगतियों को तोड़ने के लिए अभ्युदय संस्थान बेहतर काम कर रहा है। वहां छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ के बाहर के कुछ परिवार आकर श अस्तित्व की भावना के साथ बड़े मजे से रह रहे हैं । ये सब भाग्यशाली हैं कि प्राकृतिक जीवन जी रहे हैं। संस्थान में समय-समय पर शिविर भी लगाए जाते हैं, जहां भाग लेने वाले को यही शिक्षा दी जाती है कि बहुत अधिक धन का मोह नहीं करना चाहिए । विलास पूर्ण जीवन जीने से बेहतर यह है कि हम कम से कम खर्चे में जीने की कोशिश करें। प्राकृतिक जीवन से जुड़ कर ही हम स्वस्थ रह सकते हैं। यहाँ लोग शहरों के प्रदूषण से दूर सुंदर सुखद जीवन यापन कर रहे हैं। अभ्युदय संस्थान की शुरुआत बहुत छोटे रूप में से शुरू हुई थी लेकिन आज अभ्युदय संस्थान के अभिभावक विद्यालय में दसवीं तक की पढ़ाई होने लगी है। कल जो सांस्कृतिक कार्यक्रम मैंने देखा, उसे देखकर दंग था। कार्यक्रम में प्रस्तुत सारे गीत संगीत शिक्षिकाओं ने तैयार किए थे। बच्चों ने भी पूरे आत्मविश्वास के साथ सुंदर आकर्षक प्रस्तुतियां दीं।कार्यक्रम में आसपास के गांव के सैकड़ो अभिभावक उपस्थित हुए। यह विद्यालय पूरी तरह से गैर सरकारी है। इस विद्यालय का अनुसरण करके सरकार को भी अपने विद्यालय संचालित करने चाहिए। यह विद्यालय बहुत हद तक प्राचीन गुरुकुल परंपरा स्मरण कराता है। ऐसे विद्यालय अब दुर्लभ होते जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

वृद्धा, परित्यक्ता पेंशन का भी भुगतान करें: धनंजय सिंह

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि साय सरकार महतारी वंदन योजना में छल कपट खेल बंद करे, तारीख पर तारीख देकर महिलाओं को परेशान न करे उनका उपहास न उड़ाये बल्कि सीधा चार महीने की बकाया 4000 रु की राशि एक मुश्त 3 अप्रैल को खाता में जमा कराये। महतारी वंदन योजना की किस्त की राशि के साथ पूर्व से जिन महिलाओं को वृद्धा पेंशन एवं परित्यक्ता पेंशन की 500 रु की राशि मिल रही थी उन पेंशनधारियों को 4 महीने का पेंशन राशि 2000 रु और महतारी वंदन योजना 4000 रु की किस्त मिलाकर एकमुश्त 6000 रु दें। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा था कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने सरकार बनते ही महिलाओं के खाता में 1 हजार रु. महीना ट्रांसफर करने का वादा किया था, दिसंबर माह में साय सरकार का गठन हो गया है और अभी जनवरी-फरवरी, मार्च और अप्रैल 5 माह हो चुका है और मात्र एक महीने की 1000 रु. राशि महिलाओं को दी गई है. यह महिलाओं के साथ धोखा और छल हैं. प्रदेश के 70 प्रतिशत महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है.

भाजपा की नई शराब नीति से महिलाएं चिंतितः वंदना राजपूत

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने भाजपा सरकार के नई शराब नीति पर जमकर हमला करते हुए कहा कि हवाई अड्डा में भी शराब का अड्डा बनाने जा रही है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार का सिर्फ एक ही लक्ष्य है कि शराब की बिक्री ज्यादा से ज्यादा करना और 2024-25 में करीब 11000 करोड़ से अधिक राजस्व प्राप्त करना। पूर्ववर्ती भाजपा के 15 साल के सरकार में जो दौर था वही फिर से वापस आ रहा है, छत्तीसगढ़ के भोली भाली जनता को नशा के गर्त में धकेलने का पूरा इंतजाम किया जा रहा है राज्य सरकार के द्वारा। अब भारतीय जनता पार्टी के नेत्रियों को महिलाओं की फिक्र नहीं हो रही है शराब से महिलाओं पर कितना अत्याचार, अनाचार, बलात्कार होते हैं अब इसकी चिंता नहीं हो रही है, पति शराब पीकर पत्नी, बच्चों को मारते पीटते और शराब के कारण पूरा घर बर्बाद हो जाए अब इसकी चिंता भारतीय जनता पार्टी की नेत्रियों को नहीं है। भाजपा के नेताओं को गिरगिट की तरह रंग बदलने की कला खूब आती है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी महिला हितैषी कभी नहीं रही है यदि महिलाओं और उसके परिवार की फिक्र होती तो अधिक से अधिक शराब बेचकर अपनी जेब भरने की बात कभी नहीं करती।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त भाजपा सरकार हजम कर गई

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त के लिये पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा 5700 करोड़ रू. का बजट पास करके रखा था साय सरकार ने किसानों को भुगतान नहीं किया जिसके कारण किसानों को मिलने वाली किसान न्याय योजना की चौथी किस्त की बजट राशि 31 मार्च को लेप्स हो गयी। यह भारतीय जनता पार्टी की किसान विरोधी सोच का नतीजा है किसानों ने अपना धान 2680 रू. में सरकार के पास बेचा था यह छत्तीसगढ़ सरकार और किसानों के बीच का अनुबंध था। सरकार चलाने वाला दल भले ही बदल गया हो किसानों से सरकार द्वारा किया गया अनुबंध (वादा) तो यथावत है। किसान न्याय योजना का पैसा किसानों का हक है उन्हें मिलना ही चाहिये। साय सरकार किसानों को उनके धान का पैसा तत्काल भुगतान करें। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद जनकल्याणकारी योजनायें दम तोड़ रही। किसानों को मिलने वाली राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त नहीं दिया गया।

3 माह में ही साय सरकार ने 16000 करोड़ का कर्ज लिया

रायपुर। साय सरकार ने तीन माह में 16000 करोड़ का कर्ज ले लिया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 13000 करोड़ शुरूआत में कर्ज लेने वाली साय सरकार ने रिजर्व बैंक से फिर 3000 करोड़ का नया कर्ज ले लिया है सरकार चलाने वालों को तीन माह में ही पसीना निकल गया। तथा सरकार का आर्थिक प्रबंधन गड़बड़ा गया है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 5 सालों में जनता के खाते में सीधे 2 लाख करोड़ डाला था। वर्तमान सरकार ने बेरोजगारी, गोबर खरीदी, गोठान संचालन, युवा मितान क्लब सभी कुछ बंद कर दिया उसके बाद सरकार कर्ज पर कर्ज लिये जा रही है। गाईड लाईन के दरे में 30 प्रतिशत छूट घटा दिया, शराब की कीमत बढ़ा दिया, जीएसटी में जबरिया वसूली हो रही फिर भी सरकार का खजाना खाली हो गया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने पांच सालों में राज्य की जनता के ऊपर एक रू. भी अतिरिक्त कर्ज का बोझ नहीं डाला था। बिजली बिल आधा ही आता था, संपत्तिकर में एक रू. की भी बढ़ोत्तरी नहीं की गयी थी, डीजल पेट्रोल के वेट में कटौती की गयी थी। जमीनो के गाईड लाईन में पूरे पांच सालों तक एक रू. की भी बढ़ोत्तरी नहीं की गयी थी।

होरा के निधन पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष देव ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने भाजपा नेता व अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष दिलीप सिंह होरा के देहावसान पर गहन शोक व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने दिलीप सिंह होरा के निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन के क्षेत्र में स्व. होरा विनम्रता और प्रतिबद्धता की मिसाल थे और अपने इसी विशिष्ट स्वभाव के साथ उन्होंने भाजपा में चार दशकों तक अपनी राजनीतिक पहचान बनाई। श्री देव ने कहा कि पार्टी दायित्वों का मनोयोगपूर्ण निर्वहन करने की उनकी विशिष्टता कार्यकर्ताओं को सदैव प्रेरित करती रहेगी। श्री देव ने ईश्वर से उनकी आत्मा की चिरशांति की प्रार्थना कर शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहन संवेदना प्रेषित की है। उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव व विजय शर्मा, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, रामजी भारती, जगदीश (रामू) रोहरा, भरतलाल वर्मा सहित पार्टी के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने भी होरा के निधन पर गहन शोक व्यक्त कर अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी है।

नामांकन से लेकर चुनाव तक की सारी रणनीति तैयार

नितिन नबीन ने ली राजनांदगांव लोकसभा की 4 विधानसभाओं की बैठक

राजनंदगांव,/ रायपुर । भारतीय जनता पार्टी चुनाव प्रभारी एवं बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री नितिन नवीन ने आज राजनांदगांव लोकसभा के अंतर्गत चार विधानसभाओं डोंगरगढ़, डोंगरगांव, खुज्जी, मानपुर मोहला के प्रमुख पदाधिकारीयो की बैठक ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार श्री नितिन नवीन ने चारों विधानसभाओं के पदाधिकारीयो के साथ बैठक कर, आने वाले दिनों में की जाने वाली गतिविधियों की रणनीति तैयार की

और नामांकन रैली से लेकर चुनाव तक होने वाले सभी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा कर सामाजिक क्षेत्र के लोगों, व्यावसायिक क्षेत्र के हर वर्ग, शक्ति केंद्र, बूथ स्तर के कार्यक्रम तक की रणनीति तैयार की गई, इस दौरान श्री नितिन नवीन ने राजनांदगांव में 4 अप्रैल को होने वाले नामांकन रैली की तैयारी की समीक्षा की, साथ ही आगामी दिनों में राजनांदगांव लोकसभा में केंद्रीय नेताओं के कार्यक्रम एवं सभाओं के लिए चर्चा की ।

बैठक में नवीन ने कहा कि भूपेश बघेल को विधानसभा चुनाव में जनता ने जैसा सबक सिखाया,उससे स्पष्ट है कि कांग्रेस के पिछले कार्यकाल से जनता कितनी खफा रही और राजनांदगांव लोकसभा की जनता, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धि एवं मोदी जी की गारंटी पर विश्वास करते हुए भाजपा को वोट करने जा रही है, अपने ही कार्यकर्ताओं के इल्जाम झेल रहे भूपेश बघेल का इस लोकसभा में हारना तय है।

राजनांदगांव लोकसभा की महत्वपूर्ण बैठक में राजनांदगांव प्रत्याशी संतोष पांडे,उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, लोकसभा कलेक्टर प्रभारी राजेश मूणत, लोकसभा प्रभारी नारायण चंदेल, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, रामजी भारती भरत वर्मा, चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्य संयोजक भूपेंद्र सवन्नी, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, मधुसूदन यादव, नीलू शर्मा, दिनेश गांधी, प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी सहित वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

विकास ने बूथ में लीड दिलाने कर्यकर्ताओं को दिए टिप्स

रायपुर। लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय ने रायपुर शहर के अंतर्गत आने वाले हैं गुरु घासीदास ब्लॉक कांग्रेस की बैठक ली एवं लोकसभा चुनाव में जीत को लेकर रणनीति तैयार की।बैठक में बूथ स्तर पर किस प्रकार कांग्रेस को लीड मिले इस संबंध में कार्यकर्ताओं को टिप्स दिए।विकास उपाध्याय ने कार्यकर्ताओं से वन टू वन चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को महालक्ष्मी नारी न्याय गारंटी के पंजीयन फॉर्म को घर.घर पहुंचने की बात कही साथ ही इस गारंटी के माध्यम से किस प्रकार उनका लाभ मिलेगा उसे पर चर्चा करने को कहा साथ ही हर हफ्ते बैठकर कर रिपोर्ट को शहर जिला कांग्रेस कमेटी में जमा करने को कहा। वार्डों में चौक चौराहों में स्टाल लगाकर योजना का पंजीयन फॉर्म भराए एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण बढ़ती महंगाई बेरोजगारी के बारे में भी आम जनता को बताएं। बैठक के समापन के पश्चात वार्ड की महिलाओ को महालक्ष्मी नारी न्याय गारंटी का पंजीयन फार्म भी भरवाया। इस बैठक मे शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे महेंद्र छाबड़ा डॉ. राजेंद्र गुप्ता शिव सिंह ठाकुर ब्लॉक अध्यक्ष दीपा बग्गा अरूण जंघेल दिनेश ठाकुर मनोज मसंद नसीम पप्पू ईरानी मुमताज अली शब्बीर खान सहित वार्ड के समस्त पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.